NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 297 लखनऊ, बुधवार 12 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

बीजेपी नेताओं के नाम में अब नहीं दिखेगा मोदी का परिवार, पीएम मोदी ने की खास अपील, बोले– हमारा बंधन अटूट

एजेंसी

नई दिल्ली एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इससे बहुत ताकत मिली है. चुनाव अभियान के दौरान, पूरे भारत में लोगों ने मेरे प्रति स्नेह के प्रतीक के रूप में अपने सोशल मीडिया पर श्मोदी का परिवारश जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है समय, एक तरह का रिकॉर्ड है, और इसने हमें अपने राष्ट्र की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूरे भारत में लोगों से अनुरोध किया कि वे अब अपने सोशल मीडिया हैंडल से श्मोदी का परिवारश (मोदी का परिवार) हटा दें, यह

कहते हुए कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की चुनावी जीत ने प्रभावी ढंग से वह संदेश दे दिया है जो वह देना चाहती थी। इस साल मार्च में कई भाजपा नेताओं और उनके समर्थकों ने राजद प्रमुख लालू यादव द्वारा अपना कोई परिवार न होने के लिए कहे जाने के बाद पीएम मोदी के साथ एकजुटता दिखाने के लिए अपने सोशल मीडिया बायो में श्मोदी का परिवारश जोड़ा था। प्रधान मंत्री ने जवाब दिया था कि भारत के लोग उनका परिवार हैं। एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इससे बहुत ताकत मिली है. ष्चुनाव अभियान के दौरान, पूरे भारत में लोगों ने मेरे प्रति स्नेह के प्रतीक के रूप में अपने सोशल मीडिया पर श्मोदी का परिवारश जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है समय, एक तरह का रिकॉर्ड है, और इसने हमें अपने राष्ट्र की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। मोदी ने कहा कि हम सभी के एक परिवार होने का संदेश प्रभावी ढंग से दिए जाने के बाद, मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देता हूं और अनुरोध करता हूं कि अब आप अपनी सोशल मीडिया संपत्तियों से श्मोदी का परिवारश हटा दें। प्रदर्शन नाम बदल सकता है, लेकिन भारत की प्रगति के लिए प्रयासरत एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट बना हुआ है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर प्रोफाइल और हेडर फोटो भी बदल दिए। ताजा तस्वीरें उनके कार्यकाल के पहले दिन और तीसरे कार्यकाल के लिए उनकी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की हैं। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू यादव ने पटना में जन विश्वास महारैली में कहा, ष्ये नरेंद्र मोदी इन दिनों श्परिवारवादश पर हमला कर रहे हैं। पहले आपको ये बताना चाहिए कि आपके पास कोई संतान या परिवार क्यों नहीं है। उन लोगों के लिए जिनके पास परिवारवाद हैश्श और बच्चों, वह (पीएम मोदी) कहते हैं

इंडिया ब्लाक के 6 सांसदों के खिलाफ दर्ज है आपराधिक मामला, क्या बदलेंगे पाला ?

संवाददाता।

लखनऊ। अंसारी को गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में पहले ही चार साल की सजा सुनाई जा चुकी है। उनकी दोषसिद्धि पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी, जिससे उन्हें आम चुनाव लड़ने की अनुमति मिल गई। हालांकि, मामले की सुनवाई जुलाई में होगी जब अदालत फिर से खुलेगी। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और इंडिया ब्लॉक के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई, जिसमें विपक्ष को अंततः सत्तारूढ़ गठबंधन की तुलना में राज्य में अधिक सीटें मिलीं। हालाँकि, राज्य में आम चुनाव

परिणाम खतरे में पड़ सकते हैं क्योंकि इंडिया ब्लॉक के छह सांसद कई आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें दो साल से अधिक की जेल हो सकती है। यदि इंडिया ब्लॉक के छह सांसदों को उनके चल रहे आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया जाता है, तो वे अपनी संसदीय सदस्यता खो देंगे। उनमें से सबसे उल्लेखनीय हैं गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी, जो गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं, जिनकी इस साल की शुरुआत में मृत्यु हो गई थी। अंसारी को गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में पहले ही चार साल की सजा सुनाई जा चुकी है।

नरेन्द्र मोदी जेपी नड्डा सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बने

एजेंसी।

नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को मोदी सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। इससे पहले भी नड्डा 2014 से 2019 तक इस मंत्रालय का कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान पहले डा. हर्षवर्धन फिर मनसुख मंडाविया ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपनी सेवायें दी हैं। नरेंद्र मोदी सरकार में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। इससे पहले भी नड्डा 2014 से 2019 तक इस मंत्रालय का कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान पहले डा. हर्षवर्धन फिर मनसुख मंडाविया ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपनी सेवायें दी हैं। जगत प्रकाश नड्डा का जन्म 2 दिसंबर, 1960 को एक ब्राह्मण परिवार में डॉ. नारायण लाल नड्डा और श्रीमती कृष्णा नड्डा के घर हुआ था। उनकी शिक्षा सेंट जेवियर्स स्कूल, पटना में हुई। इसके बाद, उन्होंने पटना कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय से बीए और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से एलएलबी किया। बचपन में, उन्होंने दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय जूनियर तैराकी चौम्पियनशिप में बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किया। 11 दिसंबर 1991 को, नड्डा ने डॉ. मल्लिका नड्डा से विवाह किया और अब उनके दो बेटे हैं। उनकी सास पूर्व लोकसभा सांसद श्रीमती जयश्री बनर्जी हैं। उन्होंने वर्ष 1975 में राजनीति में प्रवेश किया जब वे आपातकाल के काले दिनों के दौरान जय प्रकाश नारायण द्वारा शुरू किए गए तत्कालीन चल रहे संपूर्ण क्रांति आंदोलन में शामिल हुए। पटना विश्वविद्यालय में अध्ययन करते समय वे ।ठटच में शामिल हो गए और छात्र सक्रियता में प्रवेश किया। वे 1977 में ।ठटच उम्मीदवार के रूप में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के सचिव चुने गए। पटना विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद उन्होंने हिमाचल विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री पूरी की।1987 में उन्हें राष्ट्रीय संघर्ष मोर्चा बनाकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सरकार विरोधी अभियान चलाने के लिए 45 दिनों की हिरासत का सामना करना पड़ा था।

भोपाल से निकलकर दिल्ली पहुँचे शिवराज सिंह मप्र में संगठन को मजबूत करने में निभाई अहम भूमिका

एजेंसी।

मध्यप्रदेश शिवराज सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री बनाये गए हैं। लोकसभा चुनाव में विदिशा से जीतकर छठी बार संसद पहुँचे हैं। शिवराज के नाम पर चुनाव लड़कर मध्य प्रदेश में बीजेपी ने अप्रत्याशित जीत हासिल की थी। जिसके बाद पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री के पद से मुक्त कर दिल्ली पहुँचने का संकेत दे दिया था। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री बनाये गए हैं। लोकसभा चुनाव में विदिशा से रिकॉर्ड मतों से जीतकर छठी बार संसद पहुँचे हैं। कुछ समय पहले ही शिवराज के नाम पर चुनाव लड़कर मध्य प्रदेश में बीजेपी ने अप्रत्याशित जीत हासिल की थी। जिसके बाद पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री के पद से मुक्त कर दिल्ली पहुँचने का संकेत दे दिया था। शिवराज सिंह चौहान का जन्म 5 मार्च 1959 को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के जैत गांव में हुआ था। शिवराज को लेकर कहा जाता है कि वह

बचपन से ही बड़े अच्छे वक्ता हैं। शिवराज सिंह सभाओं में भाषण देकर लोगों को अपना मुरीद बना लेते थे। उन्होंने मात्र 13 साल की उम्र में 1972 में ही आरएसएस का दामन थाम लिया था। जिसके बाद वे बीजेपी और आरएसएस की छात्रा शाखाओं से जुड़े रहे। शिवराज ने अपनी पढ़ाई बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में की। पढ़ाई के दौरान मेधावी के चलते उन्हें स्वर्ण पदक से भी नवाजा जा चुका है। शिवराज सिंह चौहान को जमीन से जुड़ा हुआ नेता माना जाता है। इसी वजह से वह पूरे देश में श्मामाश के नाम से मशहूर हैं। मध्य प्रदेश सरकार में वे चार बार सीएम रह चुके हैं। जो भारतीय जनता पार्टी के राज्य में सबसे लंबे समय तक सीएम पद पर रहने वाले नेता हैं। इसके अलावा शिवराज सिंह 5 बार विधायक और इतनी ही बार सांसद भी रह चुके हैं। उन्होंने अपना पहला चुनाव 1990 में बुधनी से लड़ा था। इसके बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने 1991 के लोकसभा चुनाव में उन्हें खड़ा कर दिया था। 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विदिशा लोकसभा सीट छोड़ने के बाद वे लगातार यहीं से चुनाव लड़ते रहे हैं। 1991 में पहला संसदीय चुनाव जीतने के बाद शिवराज सिंह का करवां चलता रहा और वे 2004 तक लगातार पांच बार सांसद चुने गए। 2003 में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व के कहने पर शिवराज ने एमपी विधानसभा चुनाव में दिग्विजय सिंह के सामने राघौगढ़ से भी चुनाव लड़ा था। लेकिन वे चुनाव जीतने में असफल रहे थे। हालांकि, भले ही शिवराज की इस चुनाव में हार हुई थी। लेकिन पार्टी विधानसभा में बहुमत हासिल कर प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब रही। इसके बाद प्रदेश की कमान उमा भारती के हाथ में सौंप दी गई। कुछ समय बाद बाबूलाल गौर को भी मुख्यमंत्री बनाया गया। लेकिन यह फैसला पार्टी के कुछ नेताओं को रास नहीं आया और पार्टी ने शिवराज सिंह चौहान का नाम सामने रखा। शिवराज का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी ने ही रखा था। कहा जाता है कि शिवराज सिंह चौहान को उस घटना का तोहफा मिला जब दिग्विजय सिंह के सामने कोई नेता खड्डा नहीं हो रहा था। उस समय पार्टी की लाज रखने के लिए शिवराज ने राघौगढ़ से चुनाव लड़ा था। जिसका ख्याल रखते हुए अटल जी और आडवाणी ने शिवराज सिंह को सीएम बनाने का फैसला कर लिया था। उन्होंने बतौर एमपी के सीएम 29 नवंबर 2005 को शपथ ली। इसके बाद 2008 और 2013 में लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। हालांकि, साल 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बहुमत हासिल नहीं हुआ और कांग्रेस

पेपर लीक पर होनी चाहिए 10 साल की सजा, नीट परीक्षा को लेकर आदित्य ठाकरे ने की ये मांग

एजेंसी।

महाराष्ट शरद पवार गुट की तरफ से भी नीट–यूजी परीक्षा को लेकर केंद्र पर निशाना साधा गया। एनसीपी शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि जिस तरह से यह नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार हुआ है शिवसेना (UBT) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि हर एक क्षेत्र में ऐसा ही खेल चल रहा है। जहां तक NEET की बात है तो हम यही कहते आए हैं चाहे राज्य या राष्ट्र स्तर पर जो सार्वजनिक परीक्षाएं होती हैं उनके लिए कोई नियम होना चाहिए, जो पेपर लीक करते हैं उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। हमारी मांग है कि कम से कम 10 साल की सजा होनी चाहिए। इससे पहले शरद पवार गुट की तरफ से भी नीट–यूजी परीक्षा को लेकर केंद्र पर निशाना साधा गया। एनसीपी शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि जिस तरह से यह नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार हुआ है। मेरे ख्याल से एसआईटी की जांच का जो आदेश आया है वह जल्द से जल्द होना चाहिए। बच्चों को जिस तरह से परेशान किया जा रहा है उसके बारे में शिक्षा मंत्रालय को सोचना चाहिए। यह पूरी नाकामी केंद्र सरकार की है।सुप्रीम कोर्ट ने ने कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आधार पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा–स्नातक (नीट–यूजी) 2024 को फिर से कराने के अनुरोध वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायामूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाश पीठ ने प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों पर संज्ञान लेते हुए कहा, यह इतना आसान नहीं है कि आपने जो किया है वह सब पाक साफ है। शुचिता प्रभावित हुई है, इसलिए हमें जवाब चाहिए। पीठ ने हालांकि सफल अभ्यर्थियों को एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। केंद्र और एनटीए के अलावा पीठ ने बिहार सरकार को भी नोटिस जारी किया। राज्य में परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। पीठ ने कहा, आपको कितना समय चाहिए? अदालत खुलने के तुरंत बाद? नहीं तो काउंसलिंग शुरू हो जाएगी।

प्रियंका के साथ रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी, बोले- अगर मेरी बहन ने लड़ा होता वाराणसी से चुनाव तो हार जाते मोदी

संवाददाता।

रायबरेली । प्रियंका गांधी ने कहा कि ये हुई ना बात। उन्होंने कहा कि ये एक ऐतिहासिक जीत थी। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आप सभी ने पूरे देश में संदेश दिया कि आप देश में स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। गांधी ने कहा कि हमने इस परिणाम के लिए दिन–रात काम किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली पहुंचे हैं। राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को रायबरेली में एक पार्टी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी की जीत के बाद दोनों कांग्रेस नेताओं का यह पहला रायबरेली दौरा है। यूपी के रायबरेली से पार्टी नेता और उनके भाई

राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा की जीत के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रायबरेली में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि ये हुई ना बात। उन्होंने कहा कि ये एक ऐतिहासिक जीत थी। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आप सभी ने पूरे देश में संदेश दिया कि आप देश में स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। गांधी ने कहा कि हमने इस परिणाम के लिए दिन–रात काम किया। मेरे बड़े भाई को जिताने के लिए हम रायबरेली की जनता के आभारी हैं। आपने हमारे लिए जो उत्साह दिखाया है, उससे दोगुने उत्साह के साथ हम आपके लिए काम करना जारी रखेंगे। रायबरेली में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आपने (बीजेपी) अमेठी में किशोरी लाल शर्मा को, रायबरेली में मुझे और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के सांसदों को जिताया है।

मजबूत आदिवासी नेता,आरएसएस से रहा है जुड़ाव, जानें कौन हैं मोहन चरण माझी जो बनेंगे ओडिशा के नए सीएम

चार बार के विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, माझी ने अपनी समर्पित सार्वजनिक सेवा और असाधारण संगठनात्मक कौशल के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की है। अपने मतदाताओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रभावी नेतृत्व ने उन्हें ओडिशा के राजनीतिक परिदृश्य में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया है। मोहन चरण माझी को मंगलवार को पार्टी नेतृत्व ने ओडिशा में भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनने के लिए चुना। एक फायरब्रांड आदिवासी नेता, माझी को ओडिशा विधानसभा में उनके प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2024 का विधानसभा चुनाव क्योंझर विधानसभा सीट से जीता। मोहन चरण माझी खनिज समृद्ध केंदुझार जिले के एक मजबूत और तेजतर्रार आदिवासी नेता हैं। माझी एक साधारण पृष्ठभूमि से हैं। मोहन माझी को ओडिशा विधानसभा में उनके प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। ओडिशा के विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए भुवनेश्वर में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और भूपेन्द्र यादव मौजूद रहे। मोहन माझी, जो एक गैर–विवादास्पद व्यक्ति हैं, एक वफादार भाजपा सदस्य और एक मजबूत संगठनात्मक नेता माने जाते हैं। माझी के आरएसएस से भी मजबूत संबंधा हैं। माझी का राजनीतिक करियर दो दशकों से अधिक का है। जनता से जुड़ने की उनकी क्षमता, विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में, ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई है। चार बार के विधायक के रूप में, उन्हें राज्य की शासन प्रणाली की गहरी समझ है और उन्होंने क्षेत्र के लिए भाजपा की नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।आदिवासी समुदाय के एक प्रमुख सदस्य, मोहन माझी पहली बार 2000 में क्योंझर निर्वाचन क्षेत्र से ओडिशा विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2019 ओडिशा विधानसभा चुनावों में फिर से जीतने से पहले 2000 और 2004 में दो बार क्योंझर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 2000 के ओडिशा विधानसभा चुनाव में, मोहन चरण माझी ने क्योंझर में कांग्रेस उम्मीदवार जगदीश नाइक को 22,163 वोटों से हराया। 2004 के ओडिशा विधानसभा चुनाव में, मोहन चरण माझी ने क्योंझर में कांग्रेस उम्मीदवार माधब सरदार को 11,002 वोटों से हराया। हालाँकि, मोहन चरण माझी 2009 और 2014 में लगातार दो विधानसभा चुनाव हार गए जब उन्हें क्रमशः बीजू जनता दल (बीजेडी) के उम्मीदवारों सुबर्ण नाइक और अभिराम नाइक ने हराया। चार बार के विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, माझी ने अपनी समर्पित सार्वजनिक

सेवा और असाधारण संगठनात्मक कौशल के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की है। अपने मतदाताओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रभावी नेतृत्व ने उन्हें ओडिशा के राजनीतिक परिदृश्य में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया है। उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार, मोहन माझी ने 1987 में झुमपुरा हाई स्कूल से हायर सेकेंडरी और 1990 में अनादापुर कॉलेज से 12वीं कक्षा पास की। उन्होंने क्योंझर के चंपुआ के चंद्र शेखर कॉलेज से बीए की डिग्री और ढेंकनाल लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की। बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक के बाद मुख्यमंत्री बनने पर माझी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी, जो रिकॉर्ड 24 वर्षों तक इस पद पर रहे। 2023 में, मोहन चरण माझी को अध्यक्ष के मंच पर बिना उबली हुई साबुत दाल फेंकने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। माझी और उनके विधायक सहयोगी मुकेश महालिंग ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने दाल फेंकी थी, लेकिन इसे केवल स्पीकर के सामने पेश किया था।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की

' संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को संरक्षा पुरस्कार ' गतिशीलता बढाने, संरक्षा और ढांचागत कार्यों की समीक्षा स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढाने पर बल

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने उत्त्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ आज उत्त्तर रेलवे के विभिन्न्न परिचालनिक पहलुओं के साथ–साथ कार्य प्रगति की समीक्षा की । बडौदा हाउस में आयोजित हुई इस बैठक में प्लेटफॉर्मों के लेवल में वृद्धि, वॉशेबल एप्रनो, दूसरे प्रवेश द्वार का प्रावधान, फुट–ओवर–ब्रिज, एस्केलेटर, दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट की सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेश द्वार सहित स्टेशन इमारत में सुधार जैसी अनेक यात्री सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया । उन्होंने गतिशीलता बढाने, विकासात्मक, ढांचागत कार्यों, माल लदान और रेलपथों पर संरक्षा की भी समीक्षा की । कार्य–निष्पादन समीक्षा के साथ–साथ महाप्रबंधक ने यात्रियों और रेल संपत्त्ति की संरक्षा और सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने में अपना योगदान देने वाले 7 सजग कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया । महाप्रबंधक ने दोहरीकरण और नई रेल लाइन परियोजनाओं की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ।उन्होंने कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए विभागों को निर्देश दिए, ताकि कर्मचारी मानवीय त्रुटियों को कम करते हुए रेल कार्य–प्रणाली से अवगत रहें । महाप्रबंधक ने माल व्यवसाय का जायजा लिया और नए ग्राहकों और व्यापार को आकृषित करने के लिए बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों को और अधिक प्रयास करने के लिए कहा । उन्होंने बीडीयू को ग्राहकों के प्रति विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाने के निर्देश दिए । उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायतें उसके ग्राहकों तक पहुँचनी चाहिए । उन्होंने बताया कि हर गुजरते माह के साथ खाद्यान्न एवं अन्य मदों के लदान में वृद्धि हुई है । उत्तर रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

नीट परीक्षा के परिणाम में हुए भ्रष्टाचार को लेकर आप ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (आरएनएस)आम आदमी पार्टी ने NEET परीक्षा के परिणाम में हुए भ्रष्टाचार को लेकर प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों ने जिला प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा . इसी क्रम में लखनऊ जिला कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरा सक्सेना के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी लखनऊ द्वारा छम्म्ऊ परीक्षा परिणाम में हुई धांधली को लेकर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा! इस दौरान बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ अध्यक्ष बीएन खरे ,धीरज शर्मा ,रानी कुमारी , महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रियंका श्रीवास्तव, कैंट विधानसभा अध्यक्ष डॉ राजेश आर्य, जिला सचिव नीरज गुप्ता ,तकी अहमद , महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव सुभाषिनी मिश्रा, राहुल बहुगुणा , अगस्टिन क्राउथर (जॉनी) सहित दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे!आप नेत्री नीरा सक्सेना ने इस मौके पर कहा कि छम्म्ऊ परीक्षा जो कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी परीक्षाओं में एक हैं, उसका पेपर भी लीक हो गया। बेरोजगारी और पेपर लीक समस्या से जूझ रहें नौजवानों को भ्रष्टाचारी सरकार ने एक और झटका दे दिया। एक ओर जहाँ संवेदनहीन मोदी सरकार में भर्तियों का टोटा हैं तो वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार में डूबी सरकार सभी प्रकार के परीक्षाओं का पेपर लीक करवाने की जिम्मेदार हैं। जिसके वजह से नौजवानों को अपने उज्ज्वल भविष्य का कोई मार्ग नहीं दिख रहा हैं।छम्म्ऊ के परीक्षा का परिणाम 14 जून को आना था, परंतु आनन–फानन में 04 जून को ही लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन ही, छम्म्ऊ के परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। इससे सवाल उठता हैं कि किस गुनाह को छिपाने के लिये इसका परिणाम उस दिन घोषित किया गया और जिस प्रकार 67 बच्चों को पूरे 720 अंक दिये गये, एक ही कोचिंग के कई बच्चों को 720 अंक दिये गये और कुछ बच्चों को 718, 719 नंबर दिये गये जो कि असम्भव हैं क्योंकि एक प्रश्न छोड़ देने या गलत करने पर 04 या 05 नंबर कम होने चाहिए, तो 718 और 719 नंबर कैसे दिये जा सकतें हैं। इससे प्रतीत होता हैं कि छम्म्ऊ के परीक्षा में गंभीर त्रुटि और भ्रष्टाचार किया गया हैं। आम आदमी पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया से मांग की कि छम्म्ऊ परीक्षा के परिणाम की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को जेल भेजने की मांग की । जिससे कि छम्म्ऊ अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ न्याय हो सकें ।

नगर विकास मंत्री ने निकायों में जल भराव व संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के दिये निर्देश

लखनऊ (आरएनएस)उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने निकायों में जल भराव न होने तथा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए निर्देशित किया है कि सभी निकाय मानसून का मौसम आने से पहले ही नाले–नालियों की पूर्णतः सफाई करायें, इसमें उगी झाड़ियों, सिल्ट आदि की सफाई में मशीन और मैनपॉवर का अधिकतम प्रयोग करें। प्रदेश के निकायों का नेशनल व ग्लोबल बेंच मार्किंग में स्थान हो। इसके लिए विकास कार्यों, व्यवस्थापन व सुंदरीकरण के कार्यों में गुणात्मक सुधार किया जाए। इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाकर निकायों की साफ–सफाई में और सुधार किया जाए।नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल संगम में वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नगर विकास के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों के लिए भेजी गयी धनराशि का समय से सदुपयोग करें। बरसात में निकायों में जलभराव न हो, नाले–नालियों की सफाई समय से करायें। शहरों से पानी निकालने के लिए पम्पिंग की व्यवस्था दुरुस्त हो, सभी पम्प चालू हालात में हो, इसकी पहले से ही मॉनीटरिंग कर ली जाए।नगर विकास मंत्री ने कहा कि सभी निकायों में साफ–सफाई के कार्यों में सुधार हुआ है। लेकिन इसमें अभी और बेहतर करने की आवश्यकता है, इसके लिए जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत हो, उसका उपयोग करें। हमें इस बार लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद आदि बड़े शहरों में साफ–सफाई, व्यवस्थापन एवं सुंदरीकरण के कार्यों में विशेष ध्यान देना है। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। अभी भी हीटवेव और भीषण गर्मी का मौसम है, निकायों में कहीं पर भी पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए निकायों में लगे वाटर एटीएम को पूर्णतः चालू हालात में रहे।उन्होंने कहा कि साफ–सफाई को बेहतर करने के लिए डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन पर विशेष ध्यान दें। घरों तथा कामर्शियल जगहों पर डस्टबिन का प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। शहरों में कहीं पर भी कूड़े का ढेर नहीं दिखना चाहिए। सभी गार्वेज वाल्नरेबल प्वाइंट्स (जीवीपीज) को समाप्त करें। ऐसी जगहों का सुशोभन व सुंदरीकरण करके उपयोगी बनायें। चौराहो, पार्कों का भी सुंदरीकरण और व्यवस्थापन करायें। शहरों के वेडिंग जोन की व्यवस्था का भी ख्याल रखें, जिससे कि वेंडर और ग्राहक दोनों को अच्छा लगे। हमें हर हाल में शहर में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है।नगर विकास मंत्री ने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभी से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिये। कहा कि शहरों में जल भराव और गंदे पानी की आपूर्ति न हो, इस पर विशेष ध्यान देवें। उन्होंने शहरी व्यवस्था में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के भी निर्देश दिये। कहा कि कान्हा गौशालाओं पर पशुओं के लिए चारे पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो। निकायों में अवारा कुत्ते लोगों के लिए मुसीबत न बने, इस पर भी ध्यान दें।इस अवसर पर बैठक में सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला, अनिल कुमार पाठक के साथ अन्य अधिकारी मौजूद रहे तथा सभी नगर निगमों के नगर आयुक्त, निकायों के अधिशासी अधिकारी और जल निगम के अधिकारी वर्चुअल प्रतिभाग किया।

समाजवादी पार्टी जनता के मुद्दों को लोकसभा में मजबूती से उठायेगी

लखनऊ (आरएनएस) पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देश की जनता लोकसभा चुनाव में संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए वोट किया है। प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। अब जनता के प्रति समाजवादियों की और ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ गयी है। समाजवादी पार्टी जनता के मुद्दों को लोकसभा में मजबूती से उठायेगी।सैफई में आज पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जनता ने समाजवादी पार्टी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि हम इस भरोसे को और मजबूत बनायेंगे। जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करेंगे। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों, डॉ0 राममनोहर लोहिया के विचारों और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर उनकी नीतियों पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर साथ लेकर चलेगी। उनके हितों के लिए लड़ेगी।अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि सबकी मेहनत और जनता के भरोसे ने समाजवादी पार्टी को बहुत बड़ी ताकत और जिम्मेदारी दी है। समाजवादी पार्टी लोकसभा में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, जनता के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार, नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के मुद्दें को उठायेगी।अखिलेश यादव ने एक बार फिर सेना की अग्निवीर योजना को समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि नौजवानों को सेना में पहले की तरह पक्की नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब संसद में संविधान और लोकतंत्र की बात होगी।अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र और करहल विधानसभा क्षेत्र की जनता, नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इससे पहले अखिलेश यादव ने सोमवार सायं सैफई पहुंचे उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव की समाधि स्थल पर पहुंच कर लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत को नेताजी के श्रीचरणों में समर्पित किया।अखिलेश यादव नेताजी के समाधिस्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावुक हो गये। उन्होंने कहा कि आज नेताजी होते तो बहुत गौरवान्वित होते।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में योग महोत्सव के योग चिकित्सा कार्यशालाष्का हुआ समापन

लखनऊ (आरएनएस)बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में योग महोत्सव के अंतर्गत ष्पांच दिवसीय योग चिकित्सा कार्यशालाष् का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एन०एम०पी० वर्मा के दिशा निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में समापन सत्र के दौरान ष्महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए योगष् विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य तौर पर योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० हरिशंकर सिंह व योग विभाग के डॉ० दीपेश्वर सिंह उपस्थित रहें। योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० हरिशंकर सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी है। इसीलिए सभी को योग सम्बन्धी नियमों का पालन करना चाहिए।योग विभाग के डॉ० दीपेश्वर सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाओं एवं लड़कियों में आज कल ष्च्ब्व्क्ष् की समस्या आम तौर पर देखने को मिलती है। योग विज्ञान के माध्यम से हार्मोनल असंतुलन से लेकर इन सभी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दूसरी ओर योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक सागर सैनी ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है इस मौके पर कार्यशाला में आने वाले योग साधकों ने योग के द्वारा उनके शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शिक्षक, योग साधक, योग विभाग एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहें।

बीटेक में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

लखनऊ(आरएनएस)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए मंगलवार से पंजीकरण शुरू हो गई। पहले दिन करीब आठ हजार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण शुरू किया, जिसमें से लगभग तीन हजार से ज्यादा ने पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर ली।पंजीकरण 10 जुलाई तक चलेगा। अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण कराने का एक ही मौका है। पहले राउंड के अलावा सिर्फ स्पेशल राउंड में ही पंजीकरण होगा। अभ्यर्थी यूपी टेक पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

कार्यशाला में कौशल विकास के बारे में बताया गया

लखनऊ(आरएनएस)। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज में कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन में स्कोप एण्ड बेनिफिट्स ऑफ इण्टरनेशनल करियर आपारचूनिटिज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।कार्यशाला मुख्य वक्ता के रूप में सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं प्रतिषेक दास ने इण्टरनेशनल करियर आपारचूनिटिज एवं इसके इंटर्नशिप प्रक्रिया के बारे में एमबीए छात्र–छात्राओं के साथ चर्चा की एवं छात्रों के कौशल विकास के लिये प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्रों के लिये प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. विनय चतुर्वेदी, डॉ. गजेन्द्र गुप्ता, डॉ. वर्षा शुक्ला, आरजू गुप्ता एवं शेफाली सिंह मौजूद रहे।

बकायदार निजी नलकूप किसान पंजीकरण में नहीं ले रहे हैं रुचि

रायबरेली। योगी सरकार ने किसानों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है जिसमें मार्च 2023 तक के बकायदारों को पंजीकरण कराने के साथ बकाया जमा करने पर ही इस योजना का लाभ ले सकते हैं लेकिन निजी नलकूप किसान पंजीकरण कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं ।बिजली विभाग किसानों को मुक्त बिजली सभी उपलब्ध करा पाएगा जब किसानों का मार्च 2023 तक पूरा भुगतान हो चुका होगा वही इस योजना में शामिल किए जाएंगे । बकायेदार किसानों को राहत देते हुए विभाग ने पंजीकरण करा कर टैक्स में छूट देते हुए एक मुश्त एवं किस्तों में पैसे जमा करने योजना का लाभ मिलेगा पंजीकरण की आखिरी तारीख 30जून तक ही है लेकिन उसके बाद भी किसान बकाया जमा करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। बिजली विभाग के दोनों डिवीजन में मिलाकर में 16292 बकायदार है जिनका 22.63 करोड़ रुपए बकाया है 5 जून तक 1117 किसानों ने पंजीकरण कराने से 12 करोड़ का राजस्व विभाग को मिला। अधिकारियों के लाभ प्रयास के बाद भी बकायदार किसान इस योजना में पंजीकरण करने से कतरा रहे।

नृत्य प्रतियोगिता में युवराज सोनी रही प्रथम

रायबरेली।मंगलवार को फीरोज गांधी कॉलेज में ष्रंगरंग कल्चरल क्लब के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि निर्णायक जज तेज प्रकाश , प्राचार्य प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, फीरोज गांधी कॉलेज, चीफ प्रॉक्टर डॉ अरविंद सिंह, कल्चरल क्लब के कोषाध्यक्ष डॉ प्रवेश कुमार उपस्थित रहे। प्राचार्य, प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, फीरोज गांधी कॉलेज के पर्यवेक्षण में, डॉ शामिनी श्रीवास्तव के द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन और डॉ सोनम कुमारी रावत द्वारा संचालन सफलतापूर्वक किया गया। संगीत प्रतियोगिता डॉ तुनीरा एवं विष्णु शरण द्वारा जज की गई ।जबकि नृत्य प्रतियोगिता को तेज प्रकाश व डॉ तुनीरा द्वारा जज किया गया। संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम स्थान पर कुशाग्र द्विवेदी, द्वितीय स्थान पर अमन, व तृतीय स्थान के लिए मोहम्मद आमिर को पुरस्कृत किया गया। नृत्य प्रतियोगिता में युवराज सोनी को प्रथम स्थान, साक्षी द्विवेदी, अंकिता तिवारी व आकृति मौर्य को द्वितीय, और महक मिश्रा को तृतीय स्थान के लिए चयनित कर पुरस्कृत किया गया।

अमेठी और रायबरेली की जनता का प्रियंका ने जताया आभार

वहीं, कांग्रेस ता सभा में राहुल गांधी के साथ आयीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक जीत थी। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आप सभी ने पूरे देश में एक संदेश दिया कि आप देश में स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। हमने इस परिणाम के लिए दिन–रात काम किया है। उन्होंने राय बरेली और अमेठी की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मेरे बड़े भाई को जिताने के लिए रायबरेली की जनता की आभारी हूं कि आपने हमारे लिए जो उत्साह दिखाया है, उससे दोगुने उत्साह के साथ हम आपके लिए काम करते रहेंगे।

कुनबे ने गाली–गलौच का विरोध करने पर दम्पति को पीटा, शिकायत

चायल, कौशाम्बी। पिपरी कोतवाली क्षेत्र के अजमतगंज कस्बा चायल में मंगलवार की दोपहर पड़ोसी कुनबे ने गाली–गलौच का विरोध करने पर दम्पति को जमकर पीट दिया।पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव कर झगड़ा शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर मामले की तहरीर दी।तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है

कस्बा चायल के अजमतगंज मोहल्ला निवासी नरेश कुमार पुत्र राम औतार मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है।उसने बताया कि मंगलवार की दोपहर उसकी पत्नी सोनिया नल से पानी भरकर घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में बैठा पड़ोसी उसके साथ अनायास गाली–गलौच करने लगा। जानकारी मिलने के बाद मौके पर जाकर नरेश ने गाली का उलाहना दिया।इससे नाराज होकर पड़ोसी ने कुनबे के साथ मिलकर उसको लाठी–डंडे से पीटना शुरू कर दिया। बीच–बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी सोनिया को भी पीट दिया। पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं।शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया।घायलों ने थाने जाकर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

किसानों को मोटा अनाज के उत्पादन से फायदे की दी जानकारी

नेवादा, कौशांबी। स्थानीय विकास खंड के जवई गांव में चल रही किसान पाठशाला के दूसरे दिन मंगलवार को किसानों को श्रीअन्न योजना (मोटे अनाज) के फायदे और कृषि यंत्रो की खरीद पर अनुदान की जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर कृषि तकनीकी सहायक हरिओम गौतम ने पाठशाला में उपस्थित किसानों को मिलेटस ज्वार, बाजरा, रागी, सांवां, कोदों, कुटकी, रामदाना, कुट्टू आदि मोटे अनाजों के पोषक तत्व– कैरोटीन, नियासिन, विटामिन बी–6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ता जैसे खनिज लवण काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इनमें विटामिन बी –3 होता है। जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित रखता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे सभी अंगों में आक्सीजन पहुंचता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से पाचन में सहायता मिलती है। डाइबटीज मरीजों में ग्लूकोज लेवल बैलेंस रहता है। ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखता है। हार्ट अटैक, सर्दी जुकाम से बचाव करता है। टाक्सिन को शरीर से बाहर निकलने में मदद करता है। किसानों को पराली प्रबंधन में सीटू योजना व फार्म मशीनरी योजना में 80 प्रतिशत अनुदान पर टैक्टर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, हैरो, मल्टीक्राप थैसर, पेडीटांसप्लांटर यंत्र खरीद पर कृषि विभाग आठ लाख रुपये अनुदान मिलता है। वहीं किसानों के आपदा प्रबंधन जैसे सर्प दंश, आकाशीय बिजली, आंधी–तूफान चक्रवात से बचाव की जानकारी दी गई। इस मौके पर लालमणि दुबे, ज्ञानेंद्र सिंह, राजकुमार, अमित कुमार, रामप्रताप, शिवलाल यादव, फूलचंद, महेंद्र कुमार, रामप्रकाश समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

सराय अकिल में अतिक्रमण करने वालों का बोलबाला, नगर प्रशासन मौन

सराय अकिल, कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल कस्बा में अतिक्रमण करने वालों का बोलबाला नगर प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही सड़कों पर दुकान लगाकर आवागमन बाधित करते हैं सब्जी मंडी चंद्रशेखर पार्क के पास लोगों ने अतिक्रमण कर सड़कों पर दुकान लगा लिए हैं जिससे रोजाना घंटों जाम में राहगीर फंसे रहते हैं चंद कदमों की दूरी पर नगर पंचायत कार्यालय व थाना परिषर है लेकिन सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही इसी तरह चावल मंडी में दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर लिया जिससे राहगीरों से रोजाना वाद विवाद मारपीट होती रहती है चावल मंडी में दुकानदारों का बोलबाला ,आम जनता को हो रही है दिक्कत दो दोपहिया वाहन को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है नगर प्रशासन आंखों में पट्टी बांधे हुए हैं जिससे अतिक्रमण करने वालों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बता दे, जिले के सबसे पुरानी नगर पंचायत सराय अकिल कस्बा है जो कई गांव के लोग बाजार करने जाते हैं दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर रखा है लेकिन नगर पंचायत की तरफ से कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही जिससे दुकानदारों का मनोबल बढ़ा हुआ है सब्जी मंडी व चावल मंडी भगवतीगंज में दुकानदारों ने सड़कों पर दुकान सजा ली है जिससे राहगीर को परेशानियों का सामना करना पड़ता है सब्जी मंडी मार्ग से रोजाना नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी अखिलेश सिंह का आवागमन होता रहता है लेकिन सब्जी मंडी व चावल मंडी के दुकानदारों के ऊपर नगर प्रशासन मेहरबान है यही वजह है कि अतिक्रमण करने वालों का किसी का भी भय नहीं है जिससे रोजाना अच्छी खासी जाम बनी रहती है लोगों को पैदल चलना भी दुश्वार हो गया राहगीर व दुकानदारों से आए दिन मारपीट होती रहती है जिला अधिकारी से सब्जी मंडी व चावल मंडी से अतिक्रमण हटाने की लोग मांग कर रहे हैं।

गुलामीपुर नेशनल हाइवे पर अनियंत्रित होकर पलटा कंटेनर, जाम

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामीपुर गांव में स्थित नेशनल हाइवे पर भोर में कानपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया इस दौरान नेशनल हाइवे पर जाम लग गया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने कंटेनर को बाहर कर यातायात को शुरू कराया वहीं कंटेनर चालक चोटहिल बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान के मेवाड़ के कनेड़ा का रहने वाला रविंद्र सिंह पुत्र सोन सिंह कंटेनर चालक है ।रविंद्र सिंह गुजरात से कंटेनर में मछली लादकर बंग्लादेश जा रहा था जैसे ही कंटेनर चालक मंगलवार की प्रातः सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामीपुर पहुंचा तभी अचानक एक निजी बस के ओवरटेक के चक्कर में कटेनर अनियंत्रित होकर नेशनल हाइवे पर पलट गया हादसे में चालक चोटहिल हो गया हादसा देख आसपास मौजूद लोगो की भीड़ जमा हो गई और हादसे की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पहुंची सैनी पुलिस ने कंटेनर को हाइवे से बाहर कर यातायात चालू कराया।

बालू लदे ट्रक से बाल बाल बचा अल्फा चालक

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय चौराहा पर मंगलवार की सुबह बालू लदे अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े अल्फा में टक्कर मार दिया हादसे ने अल्फा चालक बाल बाल बच गया जबकि अल्फा ट्रक में फंस गया , हादसे के बाद मौके पर भिड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी जिसके पुलिस ने आपसी सुलह समझौता के बाद ट्रक को रवाना करवाया।बताया जाता है की कड़ाधाम थाना क्षेत्र के देवी गंज कस्बे का रहने वाला सोनू अल्फा चालक है । अल्फा चालक सोनू के मुताबिक मंगलवार की सुबह वह सवारियों के इंतजार में सैनी चौराहे पे सड़क किनारे अल्फा लेकर खड़ा था तभी बालू लदे एक ट्रक ने पीछे से ओवरटेक करते हुए अल्फा में टक्कर मार दिया हादसे में अल्फा चालक बाल बाल बच गया जबकि अल्फा का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने आपसी सुलह के बाद ट्रक को रवाना किया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ,बुधवार 12 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

सी.एम.एस. में विशाल भण्डारे का आयोजन,दिया साम्प्रदायिक सौहार्द व भाईचारे का संदेश

लखनऊ, 11 जून। ज्येष्ठ के तृतीय बड़े मंगल के पावन अवसर पर आज सिटी मोन्टेसरी स्कूल के प्रधान कार्यालय पर विशाल भण्डारा का आयोजन किया। भण्डारे का शुभारम्भ भगवान श्री राम के गुणगान एवं पवनपुत्र श्री हनुमान जी के पूजन व आरती से हुआ। सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने श्री हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण किया एवं सभी

भक्तजनों को बड़े मंगल की हार्दिक बधाईयाँ व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डा. गाँधी ने कहा कि पवनपुत्र श्री हनुमान जी का भण्डारा सामाजिक समरसता को बनाये रखने के साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश भी है। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन–सम्पर्क अधिकारी श्री ऋषि खन्ना ने दी है। इस अवसर पर लखनऊ के प्रबुद्ध नागरिकों ने बड़ी संख्या में भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया, साथ ही भण्डारे से सम्बंधित विभिन्न कार्यो में हाथ बँटाकर साम्प्रदायिक सौहार्द व सेवा भावना की अभूतपूर्व झलक प्रस्तुत की। भण्डारे में उमड़ी भक्तजनों की भारी भीड़ ने आध्यात्मिक उल्लास का अभूतपूर्व वातावरण सृजित किया तथापि भक्तजनों का भारी उत्साह देखने का मिला। इस अवसर पर सी.एम.एस. के वरिष्ठ अधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रसाद वितरण किया।सी.एम.एस. का यह विशाल भण्डारा परम्परा एवं आस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ ही समाज में एकता, शान्ति, सद्भावना व सौहार्द का सतत् प्रयास है। सी.एम.एस. अपने छात्रों को सर्वधर्म समभाव की शिक्षा देता है एवं यह भण्डारा भी इसी भावना की एक कड़ी है।

नेशनल एरोबिक्स चौम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्रा ने जीते 4 पदक

लखनऊ, 11 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस के कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल की कक्षा–8 की प्रतिभाशाली छात्रा नूरा इनायती ने आगरा में आयोजित 14वें नेशनल एरोबिक्स

फेडरेशन कप में 4 सिल्वर मेडल के साथ रनर–अप ट्राफी अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ ही नूरा इनायती ने नेशनल टीम में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है और यह प्रतिभाशाली छात्र अब थाईलैण्ड की राजधानी बैंकाक में अगस्त में आयोजित होने वाली एशियन चौम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। आगरा में आयोजित हुई नेशनल चौम्पियनशिप में नूरा इनायती ने अण्डर–14 इण्डिविजुल कैटेगरी, ट्रियो स्पोर्टस एरोबिक्स, पेटीट स्पोर्टस एरोबिक्स एवं फिटनेस एरोबिक्स समेत चार वर्गों में चार सिल्वर मेडल अर्जित कर अपनी अभूतपूर्व खेल प्रतिभा, चुस्ती–फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय की इस प्रतिभाशाली छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

जाम से निदान हेतु प्राधिकरण सचिव को भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

अयोध्या । भारतीय किसान यूनियन का प्रतिनिधि मंडल, अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव से मिलकर चौक से इलाहाबाद रोड पर मसौधा तक लग रहे जाम से निदान हेतु ज्ञापन सौपकर शारदा सहायक नहर की दोनों पटरियों पर दो–दो लेन सडक बनवाने की मांग की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सत्येंद्र सिंह सचिव विकास प्राधिकरण से मिला और ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि डाभासेमर स्थित शारदा सहायक नहर की दोनों पटरियों पर दो–दो लेन की सड़क बनाकर इलाहाबाद रोड से रायबरेली रोड तक जाने के लिए बाईपास बनाया जाए जिससे जाम की समस्या से छुटकारा पाया जा सके और यह भी मांग किया कि प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित उसरू माइनर की सड़क की चौड़ाई 31 मीटर के बजाय 21 मीटर की जाए 31 मीटर की चौड़ाई में सड़क बनाई जाने से बहुत से लोगों के मकान ध्वस्त हो जाएंगे, घनश्याम वर्मा नेकहा कि यदि 14 कोसी परिक्रमा मार्ग फोरलेन 21 मीटर चौड़ाई में बनाई जा रही है तो उसरू माइनर पर प्रस्तावित सड़क को 21 मीटर की चौड़ाई में बनाकर इलाहाबाद रोड से रायबरेली रोड को जोड़ा जाए।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती पर अधिवक्ताओं ने किया नमन

अयोध्या। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी कवि नाटककार लेखक साहित्यकार व इतिहासकार पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की 131 वीं जयंती के अवसर पर शहीद उद्यान जनपद अयोध्या में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण अधिवक्ताओं ने कर नमन किया गया, इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि काकोरी कांड के योजनाकार, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की अमर रचना सरफरोशी की तमन्ना को गाकर न जाने कितने क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गए, श्री पांडेय ने यह भी कहा कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल एवं अन्य क्रांतिकारियों के वंशजों की बुनियादी सुविधाएं, देने के साथ–साथ दयनीय आर्थिक स्थिति की ओर सरकारों को ध्यान देना चाहिए, क्रांतिकारी प्रताप सिंह अधिवक्ता राकेश वैध, अधिवक्ता ओम गुप्ता अधिवक्ता माता प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे

छात्र व परिजन में पनप रहा रिएक्टिव डिप्रेशन

अयोध्या। मेडिकल प्रवेश की राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा– नीट 24 मे लग रहे स्कैम के आरोपों का मनोदुस्प्रभाव परीक्षार्थियों व परिजनों के आक्रोशयुक्त अवसाद का कारण बन रहा है। इस मनोदशा से ग्रसित होने पर क्रोध,चिड़चिड़ापन,अनिद्रा, सर दर्द, बदन दर्द, हताशा निराशा के इमोशन दिखायी पड़ते है जिसे मनो विश्लेषण की भाषा में रिजल्ट–रिएक्टिव डिप्रेशन या प्रतिक्रियात्मक अवसाद कहा जाता है। इस मनोदशा में मन मे रस्सा कसी होने लगती है जिससे अनिद्रा, बेचौनी, भूख में कमी, चिड़चिड़ापन , सरदर्द , उदासी, क्रोध, उल्टी, पेटदर्द व मूर्छा जैसे लक्षण आ सकते है ।

बेसिक शिक्षा अधिकारी की जांच में जालसाज शिक्षिका दोषी, हुई निलंबित

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सहायक अध्यापिका की नौकरी मिलने के दो वर्ष बाद ही गिरगिट की तरह रंग बदलते हुए महिला शिक्षिका ने बेरोजगार पति को धोखा देकर प्रताणित कर तलाक लेने वाली महिला को जांच मे दोषी पाए जाने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निलंबित कर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संबंध कर दिया है। जानकारी के अनुसार अखंड नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले उमेश कुमार सिंह सुत स्वर्गीय समरजीत सिंह ग्राम बलुआ पौधन, पोस्ट– बीरी हाजीपुर ने पिछले 21 नवंबर 2023 को जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी पीड़ा दर्ज कराई थी कि वर्ष 2000 में उसकी शादी जनपद फैजाबाद के गोसाईगंज ग्राम देवरा सरैया की रहने वाली उपमा सिंह सुत स्वर्गीय जगदंबा सिंह से हुई थी। शादी के 20 वर्ष तक दोनों पति–पत्नी साथ में रहे। पति उमेश सिंह प्राइवेट गाड़ी का ड्राइवर है। जिसने अपनी पत्नी उपमा सिंह को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए पढ़ने के लिए तैयारी करवाने इलाहाबाद भेज दिया। तैयारी पूरी हुई बीटीसी की परीक्षा पास कर उपमा सिंह की तैनाती विकासखंड दुबेपुर क्षेत्र के उघरपुर स्थिति प्राथमिक विद्यालय पूरे अहिरन में मिली थी। इस बीच दोनों पति–पत्नी के बीच संबंध अच्छा रहा और एक पुत्री का जन्म हुआ, नौकरी मिलते ही उपमा सिंह अपने पति उमेश सिंह को उपेक्षित करती रही। और अपनी बेटी को पिता से अलग करते हुए संबंध विच्छेद के लिए न्यायालय में बाद दायर कर दिया। परिणाम यह रहा कि शिक्षिका उपमा सिंह विभाग को गुमराह कर बेटी का नाम केंद्रीय विद्यालय अमहट के कक्षा (7)में 13 नवंबर 2011जन्मतिथि दिखाकर दर्ज कर दिया। वहीं प्राथमिक विद्यालय में भी सरकार से अनुचित लाभ लेते हुए अपनी बेटी का नाम 26 नवंबर 2024 को कक्षा 5 में प्राथमिक विद्यालय उघरपुर पूरे अहिरन में भी दर्ज कर दिया। बस इसकी शिकायत होते ही बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका चतुर्वेदी ने पत्रावलियों का गहनता से जांच कर कार्यवाही के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित कर दी। टीम द्वारा दी गई रिपोर्ट में सत्यता का आधार मानते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उपमा सिंह पर निलंबन की कार्यवाही करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी करौंदी कला कार्यालय सम्बद्ध कर दिया।

आपसी विवाद में चली गोली, भाजपा नेता ने खुद पर हमले का लगाया आरोप

सुल्तानपुर(आरएनएस)। कोतवाली नगर के विनोबापुरी में मकान के विवाद में दो पक्षों में बहस के दौरान गोली चल गई जिसमे कोई हताहत नहीं हुआ। बीजेपी नेता सनी पांडेय ने कोतवाली नगर में नामजद तहरीर देते हुए खुद पर गोली चलने की बात कही है यही गोली कांड के मामले में दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने भी कोतवाली नगर को तहरीर देकर आरोप लगाया है।खुद को पीड़ित बताते हुए बीकापुर निवासी श्री राम दूबे ने पुलिस कर्मियों से बताया कि वह वर्तमान में विनोवापुरी मोहल्ले में निवास कर रहा है। प्रार्थी ने मोहल्ले में एक भूखंड का बैनामा अनिल मिश्रा सुत जमुना प्रसाद मिश्र व सीता मिश्रा पत्नी जमुना प्रसाद मिश्रा निवासीगण विनोवापुरी मजरे लोलेपुर बीते15 फरवरी को रजिस्ट्रीकृत बैनामा अपनी पत्नी दीप माला के नाम करवाया है। प्रार्थी को आज सुबह दस बजे पता चला कि प्रार्थी की जमीन पर कोई व्यक्ति निर्माण करवा

रहा है। प्रार्थी मौके पर गया तो देखा कि सुबोध तिवारी ,उनका छोटा भाई तथा उनके बहनोई शनी पाण्डेय पुत्र बजरंगी पाण्डेय 6–7 अज्ञात लोग प्रार्थी के गेट का ताला तोड़कर निर्माण करवा रहे थे। प्रार्थी ने उन लोगों को निर्माण करने से मना किया तो सभी मार पीट पर आमादा हो गये।पीड़ित ने बताया है कि सुबोध तिवारी हाथ में असलहा लहराते हुए कहे कि पूरा हथियानाला विनोवापुरी के प्रत्येक नम्बर में हम लोगों का है। दुबारा यहां आये तो जान से मार डालूँगा। उपरोक्त लोग आपराधिक छवि के व्यक्ति हैं प्रार्थी ने अपने बचाव के लिए अपने साथी नवीन उपाध्याय उर्फ मिन्टू को बुलाया तो उपरोक्त लोग उनसे भी गाली गलौज करते हुए आमादा फौजदारी हो गये।

काफी लोगों के आ जाने से प्रार्थी व उनके साथी किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागे।

उपरोक्त लोग धमकी दिये कि यह जमीन हमें दे दो नहीं तो कब्जा नहीं करने दूंगा। प्रार्थी डरा सहमा है।उपरोक्त विषयक प्रार्थना पत्र पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को दिया है।

अघोषित बिजली कटौती से तंग हुए उपभोक्ता

-44 डिग्री सेल्सियस तापमान में जिंदगी हुई दुश्वार

मिल्कीपुर–अयोध्या। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में दिनभर बिजली कटौती से लोग तंग आ गए हैं। मंगलवार को पूरा दिन लोगों को बिजली सप्लाई नहीं मिली। 44 डिग्री सेल्सियस के तापमान में लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। लोग अब बिजली वालों से ज्यादा अपने भाग्य को कोस रहे हैं। तमाम उपभोक्ताओं ने बताया कि मिल्कीपुर विधानसभा के हैरिंग्टनगंज ब्लॉक में लगातार बिजली कटौती जारी है। दिन भर बिजली सप्लाई बंद कर दी जाती है। जिससे जिन्दगी तबाह हो गई है। बिजली सप्लाई न मिलने से घरों में रखी पानी की टंकी सूख जाती है, मोबाइल स्विच ऑफ हो जाते हैं और सारे इलेक्ट्रिक उपकरण बंद होने से बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के ग्राम पाराताजपुर निवासी वेदप्रकाश ने बताया कि पूरे दिन भर की बिजली कटौती से जिंदगी तबाह हो गई है। बताया कि इस समय धान की बेरन डालने के लिए बिजली सप्लाई की जरूरत है तो जबरदस्ती बिजली सप्लाई बंद कर दी जा रही है। ऐसे में न तो खेती किसानी का काम हो पा रहा है और न ही घर में महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को सुकून मिल रहा है। सुल्तानपुर निवासी बुजुर्ग संतराम ने बताया कि लगता है ये बिजली वाले जिंदगी लेकर ही दम लेंगे। इतनी भयंकर गर्मी अब सहन नहीं हो रही है। ऐसे में अब लगता नहीं कि जिंदगी ज्यादा दिन चल पायेगी। वहीं राम प्रताप ने कहा कि जब इलेक्शन होना था तो खूब सप्लाई मिल रही थी। अब इलेक्शन के बाद 44–45 डिग्री सेल्सियस तापमान में दिन भर बिजली सप्लाई बंद रहती है। आखिर जिंदगी कैसे कटेगी। वहीं घुरेहटा के सुरेश कुमार ने कहा कि इतनी गर्मी और तपन पहले कभी नहीं देखी थी। पहली बार लग रहा है कि गर्मी से जिंदगी के लाले पड़ गए हैं। इसी गांव के सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि धान की बेरन डालने के लिए खेत भरना था लेकिन बिजली न मिलने से सब चौपट हो गया है। नहली के पुरवा के रहने वाले विजय तिवारी ने कहा कि इतनी भयंकर गर्मी में बिजली कटौती जानलेवा साबित हो सकती है। कहा कि लगता है कि यहां से विपक्ष का सासंद बन गया है, इसलिए जानबूझकर जानलेवा गर्मी में लोगों को तड़पाया जा रहा है। वहीं डीह पूरे बीरबल के भाजपा नेता पवन तिवारी ने कहा कि बिजली विभाग वाले जान लेने पर तुले हैं। बिजली सप्लाई न मिलने से जिंदगी पूरी तरह तबाह हो गई है। घर में बच्चे और महिलाएं घुट–घुट कर जिंदगी जीने को मजबूर हैं। बिजली कटौती को लेकर बिजली महकमें के अधिकारियों कर्मचारियों का फोन नहीं रिसीव होता है।

इछोई गांव में चोरों ने तीन घरों को बनाया निशाना

मिल्कीपुर–अयोध्या। थाना खण्डासा क्षेत्र के इछोई गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया जिसमें नीरज शुक्ला, ओम प्रकाश शुक्ला, अनूप कुमार शुक्ला के घर से करीब 40 लाख के आभूषण और एक लाख 15 हजार रुपए की नगदी समेत कीमती सामान उठा ले गए। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस छानबीन में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खण्डासा थाना क्षेत्र के ग्राम इछोई पूरे पण्डित गांव निवासी नीरज शुक्ला ने बताया कि बीती रात अज्ञात चोर घर में घुसकर लूट किया। कमरे के भीतर पेटी में रखा हार, अंगूठी, चौन, अंगूठी 25000 रूपए नगद आदि सामान लूटकर ले गए रात 3 बजे घटना की जानकारी हुई। इसके बाद चोरों ने पड़ोस के ओम प्रकाश शुक्ला के घर को निशाना बनाया ओम प्रकाश ने बताया कि रात करीब तीन बजे जगने पर देखा कि कमरों में लगे ताले टूटे पड़े हुए थे। पेटी में रखी सोने का झुमकी, सीकड़, अंगूठी, हार, चौन, जिसकी कीमत लगभग 35 लाख थी। घर के अन्य सामान को भी कर उठा ले गए हैं।इसके अलावा चोरों ने गांव के ही अनूप कुमार शुक्ला के घर को भी निशाना बनाया अनूप कुमार शुक्ला ने बताया कि रात में अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर कमरों में लगे तालों को तोड़कर पेटी में रखें 90000 रुपए नगद तथा जेवरात में झुमकी, सीकड़ ,अंगूठी समेत अन्य सामान गायब मिला।पीड़िता ने घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए। चोरी की घटना की जानकारी थानाध्यक्ष खण्डासा को दी। मौके पर पहुंची थाना पलिस ने घटनास्थल का बारीकी से जांच पड़ताल किया जांच में निकाल कर सामने आया कि अज्ञात चोर घरों में बल्ली के सहारे घुसे थे। तीनों पेड़ों ने खण्डासा पुलिस को कार्रवाई के लिए तहरीर दी है। पीड़ितो का कहना है कि पुलिस चौकी खण्डासा प्रभारी सुधीर त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर आए थे गांव से भी एक लोग को पड़कर पूछताछ के लिए ले गए हैं।

कलेक्ट्रेट में अधिवक्ताओ ने किया सुंदरकांड पाठ व शर्बत वितरण

सुल्तानपुर(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट के यूपी 44 अधिवक्ता चौंबर के नेतृत्व में बड़े मंगल पर हनुमान

जी का पूजन,सुंदर काण्ड पाठ,आरती व हजारो भक्तो को प्रसाद व शरबत वितरित किया गया।

मंगलवार को सुबह आठ बजे से सुंदर काण्ड पाठ व आरती विधिविधान पूर्वक पंडित प्रवीन तिवारी ने कराया।जिसका शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि रिटायर्ड जिला जजध बाल पीठ के चेयरमैन आरपी शुक्ल ने शरबत वितरित कर किया। वही विशिष्ठ अतिथि एडीएम वित्त एस सुधाकरन, सीआरओ देवेंद्र सिंह ने भक्तो को शरबत वितरित किया।

11 बजे से दो बजे तक बड़े मंगल के अवसर पर हनुमान जी की कृपा से 1250 भक्तो को प्रसाद व शरबत वितरण एसडीएम दफ्तर के सामने पिलाया गया। यह कार्यक्रम सीनियर अधिवक्ता उमाशंकर पांडेय,अनुराग द्विवेदी पत्रकार, अजय तिवारी एडवोकेट, जेपी पांडेय, नवीन शुक्ल, विजय सिंह, राम सिंह, महेश मुंशी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस मौके पर बार अध्यक्ष अरविंद पांडेय,महासचिव आर्त मणि मिश्र, शारदा प्रसाद मिश्र, अरुण उपाध्याय, जितेंद्र मिश्र, अरुण पांडेय, संजीव तिवारी, श्रवण पांडेय, पंकज, पत्रकार नरेंद्र द्विवेदी, अंजनी तिवारी, वरुण मिश्र, शकील अंसारी, ओपी चौधरी समेत सैकड़ोअधिवक्ता कलेक्ट्रेट स्थित दफ्तरों के पटल प्रभारी, कर्मियों ने शरबत पिया।

ज्येष्ठ के तीसरे मंगल पर भंडारे का आयोजन

'हजारों की संख्या में भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण, आयोजक लोकेश सिंह श्बल्लाश ने जताई कृतज्ञता'

सुल्तानपुर(आरएनएस)। ज्येष्ठ के तीसरे मंगल के अवसर पर जगह–जगह भंडारे का आयोजन किया गया, वही स्वशासी राजकीय महाविद्यालयधजिला चिकित्सालय में शर्बत वितरण किया गया। विगत कई वर्षो से सेवा मेडिकल संचालक लोकेश सिंहश्बल्लाश व समाजसेवी रविंद्र दूबे के द्वारा ज्येष्ठ मंगल व धार्मिक पर्वो पर ऐसे आयोजन किये जाते रहे है। तीसरे बड़े मंगलवार को सब्जीमंडी स्थित सेवा मेडिकल स्टोर्स पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसका स्वशासी राजकीय महाविद्यालयधजिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.एसके गोयल व प्रभारी ब्लडबैंक डां.आरके मिश्रा द्वारा विधि–विधान से पूजन–अर्चना करके प्रारंभ किया गया। भंडारे में मुख्य रूप से डां.एससी गुप्ता, स्वशासी राजकीय महाविद्यालय के एसएमओ अखिलेश श्रीवास्तव, स्टोर इंचार्ज अजीत सिंह, विवेक श्रीवास्तव सहित अस्पताल कर्मियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक लोकेश सिंह बल्ला ने भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहाकि बजरंग बली की कृपा व आशीर्वाद से प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मंगल को भंडारे का आयोजन हो रहा है, प्रभु की इच्छा से भक्तगण आते है, प्रसाद ग्रहण करते है और बजरंग बली महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते है।

मंदिर के बगल शराब ठेका विवाद की जांच करने पहुंचे एसडीएम

-अराजक तत्वों पर अंकुश के लिए लगेगा सीसीटीवी कैमरा -शराब की दुकानों का किया औचक निरीक्षण

मिल्कीपुर–अयोध्या।थाना इनायतनगर के खिहारन गांव स्थित पौराणिक तीर्थ स्थल अंधीअंधा श्रवण आश्रम के बगल मौजूद शराब ठेका को हटवाने के विवाद का निस्तारण करने एसडीएम मिल्कीपुर मौके पर पहुंचे।एसडीएम राजीव रतन सिंह ने मंदिर और शराब के ठेके के बीच की दूरी लेखपाल से नाप करवाई।महंत के शिकायत पर अराजक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए मंदिर के सामने चार सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए अधीनस्थों को निर्देशित किया तथा प्रभारी निरीक्षक इनायतनगर संदीप कुमार सिंह को मंदिर के पास पुलिस बल की गश्त व तैनाती के लिए निर्देश दिया।बताते चलें कि 2 माह पहले मंदिर के बगल मौजूद सरकारी ठेका को हटवाने के लिए आश्रम के महंत स्वामी कृष्णाचार्य जी महाराज ने दो अप्रैल को बारुन–तरमा संपर्क मार्ग को जाम कर धरना प्रदर्शन किया था। सड़क जाम की सूचना पर भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक इनायतनगर संदीप कुमार सिंह ने विवाद के निपटारे का आश्वासन देते हुए एसडीएम मिल्कीपुर से महंत की फोन वार्ता कराकर धरना समाप्त कराया था।लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद मंगलवार को दलबल के साथ मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर ने विवाद के निपटारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। वहीं दूसरी ओर आश्रम के महंत स्वामी कृष्णाचार्य महाराज तहसील प्रशासन की कार्रवाई से असंतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा कि जल्द ही पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री के जनता दरबार में जाकर करूंगा।महंत ने आरोप लगाया कि मन्दिर परिसर की बाउंड्री वॉल से महज 52 से 60 मीटर की दूरी पर मौजूद शराब की दोनों दुकानें शासनादेश के विपरीत खुली हैं।मंदिर के बगल में शराब की दुकान होने से अराजक तत्वों का जमावड़ा मंदिर परिसर में लगा रहता है जिससे श्रद्धालुओं को भारी असुविधा होती है। इस बाबत आबकारी इंस्पेक्टर विवेक पाठक ने बताया कि लेखपाल की नाप के अनुसार शराब की दुकानें मंदिर गेट से 109 मीटर की दूरी पर हैं जो कि शासनादेश के अनुसार खुली हैं।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर ने शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी ने देसी और अंग्रेजी शराब के स्टॉक पंजिका का अवलोकन किया और दुकान में उपलब्ध शराब का मिलान स्टॉक पंजिका से करवाया।एसडीएम ने देशी शराब की दुकान पर स्टॉक पंजिका पर धूल जमी होने पर नाराजगी जताई और साफ सफाई के लिए दुकानदार को निर्देशित किया।निरीक्षण के दौरान आबकारी इंस्पेक्टर विवेक पाठक,प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह,चौकी प्रभारी द्विवेश त्रिवेदी, लेखपाल जगदंबा यादव,आकर्ष टंडन आदि मौजूद रहे।

इस्कॉन समर कैम्प के तृतीय दिवस बच्चों ने सीखे गीता के श्लोक

लखनऊ । श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा 05 से 15 वर्ष के बच्चों के समग्र विकास हेतु आयोजित समर कैम्प के तृतीय दिवस परम आदरणीया अचिन्त्य रुपिणी माताजी (धर्मपत्नी श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी, मन्दिर अध्यक्ष, इस्कॉन, लखनऊ) द्वारा बच्चों को गीता के श्लोक, कहानियां एवं विभिन्न खेलों के माध्यम से सनातन संस्कृति एवं अध्यात्म की शिक्षा प्रदान की गयी स साथ ही साथ इस्कॉन का सुप्रसिद्ध नृत्य एवं कीर्तन हुआ सकार्यक्रम की समाप्ति पर बच्चों ने स्वादिष्ट प्रसाद (भोजन) ग्रहण किया ।

संपादकीय

गरमी को रोकना आसान नहीं

जलवायु वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार मई में महसूस की गई लू अब तक की सबसे अधिक रही।
क्लाइमामीटर के शोधकर्ताओं ने मई में देश में प्रचंड व लंबे समय तक चलने वाली लू प्राकृतिक रूप से होने वाली घटना अल–नीनो का परिणाम बताया।
इस बदलाव से पता चलता है कि मौजूदा जलवायु में बीते सालों की तुलना में कम से कम 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान अधिक रहा जबकि वष्रा परिवर्तन में कोई महत्त्वपूर्ण बदलाव नहीं दिख रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार जीवाश्म ईधन के उपयोग के कारण भारत में लू यानी ताप लहर तापमान की असहनीय सीमा तक पहुंच गई है।
तापमान का 50 डिग्री के करीब पहुंचने का कोई तकनीकी समाधान नहीं है। अल–नीनो व मानवजनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव के तहत दुनिया इस तरह के गरम मौसम से जूझ रही है। गरमी और अधिक तेज होती जा रही है। मई में दिल्ली समेत उत्तर के कई इलाकों में तापमान 52 डिग्री तक पहुंच गया। उप्र, मप्र, बिहार, झारखंड व ओडिशा में स्थिति काबू से बाहर हो गई। भीषण गरमी के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों हीट स्ट्रोक की चपेट में आ गए। बिजली की खपत इतनी बढ़ गई कि आपूर्ति संभव नहीं रही।
जल भंडारण तेजी से कम होता जा रहा है जिससे जल संकट बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा। मौसम विज्ञानी इसे ला–नीनो इफेक्ट भी मान रहे हैं। उनका कहना है, जिस साल अल–नीनो खत्म होता है, उस साल तापमान थोड़ा बढ़ जाता है।जलवायु परिवर्तन व प्राकृतिक परिवर्तनशीलता के दरम्यान जटिल परस्पर क्रिया के चलते भविष्य में लू के बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा। याद हो तो इसी अप्रैल में इतनी भीषण गरमी पड़ी कि कहा गया कि यह 120 साल बाद हुआ। भारत ही नहीं, दुनिया भर में इस जानलेवा गरमी की मार पड़ रही है जिसका असर कृषि व खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा तो होगा ही। सेहत संबंधी दिक्कतें भी बढ़ने की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।
भीषण गरमी को रोकने के लिए विभिन्न सुझाव दिए जाते हैं मगर प्रकृति के इस प्रकोप से बच पाना अब आसान नहीं रहा। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग तथा कार्बन उत्सर्जन को थामने की बस बातें ही बनाई जा रही हैं। गरमी को रोकना अब आसान नहीं रहा।

राजनीतिक नैरेटिव हावी

यों 2024 के आम चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। बीजेपी की सरकार की जगह अब श्एनडीएय की सरकार बन रही है। फिर भी कई बार विपक्षी प्रवक्ता मीडिया व एंकरों पर अपना क्रोध न्यौछावर करते रहते हैं कि सत्ता पक्ष के प्रवक्ता को आपने ज्यादा टाइम दिया, हमें कम दिया कि हमारे साथ टोकाटाकी ज्यादा की..।

एंकर कितना भी कहे कि आपको पूरा टाइम दिया गया फिर भी आप टॉपिक पर भी अपनी बात नहीं कह पाए तो भी विपक्ष के कई प्रवक्ताओं को चौन नहीं पड़ता। वे अपने हमले जारी रखते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि विपक्ष ने आक्रामकता को रणनीति की तरह अपनाया है ताकि मीडिया को रक्षात्मक बना कर अपने श्राजनीतिक नैरेटिव्य को हावी कर सके। इसीलिए कई विपक्षी प्रवक्ता पहले क्षण से आक्रामक मुद्रा अपना कर चौनल व एंकर को कोसने लगते हैं कि आप सत्ता के दलाल हैं, आप बिके हुए हैं..।

जवाब में कई एंकर कहते दिखे हैं कि हम सबको बराबर का वक्त देते हैं लेकिन आप टॉपिक पर नहीं रहते। इसलिए हमें टोकना पड़ता है..हमें कब क्या सवाल करना है, क्या नहीं, किस विषय पर बहस करानी है, किसका इंटरव्यू लेना है, किससे बात करनी है, किससे नहीं, ये हमारा चौनल ही तय करता है। आप नहीं कर सकते। एंकरों व पत्रकारों को टारगेट करना, सत्ता पक्ष का बताना और उनकी श्साख्य पर हमला कर उनको विचलित करना विपक्ष की श्नई मीडिया रणनीतिय का हिस्सा रहा है। कहने की जरूरत नहीं कि विपक्ष ने इस नीति में वह एक हद तक कामयाब भी रहा है क्योंकि वह मानता है कि जब तक हम मीडिया पर हमला कर दबाव नहीं बनाएंगे तब तक यह काबू में नहीं आएगा। इसलिए जब भी मौका मिले, हमला करो, उसकी श्साख्य को श्टारगेट्य करो ताकि वह विपक्ष के पक्ष में झुके और दर्शक भी विपक्ष के रुतबे को मानें।
इसके लिए पहले अपने को मीडिया का श्विक्टिम्य बना कर पेश करो लेकिन आकामक बने रहो और अपने श्सत्यय पर अड़े रहो। हमने कई प्रवक्ता देखे हैं जो मुद्दे पर रहने की जगह अपनी रटी हुई बात कहते रहते हैं और टोकने पर एंकर से लड़ने लगते हैं कि आप हमें टोक रहे हो। और ऐसा इसलिए करते हैं ताकि वे मीडिया का भरपूर उपयेग कर सकें। अपना मुद्दा, अपना नैरेटिव सेट कर सकें क्योंकि आज की सारी राजनीति सत्य या तथ्य की जगह श्नैरेटिव्य से संचालित है। श्नैरेटिव्य को हिन्दी में श्कहानीय, श्आख्यान्य या श्वृत्तांत्य का नाम दिया जाता है लेकिन श्नैरेटिव्य सिर्फ सामान्य कहानी, आख्यान या वृत्तांत जैसा नहीं होता, बल्कि एक श्पॉवरय (सत्ता) का श्आख्यान्य होता है।
यहां हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि श्सत्ताय सिर्फ किसी श्शासन्य,श्प्रशासन्य या श्शासकय श्प्रशासकय की नहीं होती, वह श्प्रतिपक्षय की भी होती है। इस संदर्भ में श्नैरेटिव्य का अर्थ होता हैरू एक विशेष व सुगठित वैचारिक ढांचे में एक पक्के और गढ़े हुए तर्क संजाल को कहानी या आख्यान की तरह जोर–शोर से स्थापित करना जिसके अंतर्गत आती हर बात, हर तर्क, एक कल्पित सत्य का निर्माण करे जिसे बार–बार कहा जाए ताकि वही एक मात्र श्सचय लगने लगे!
ऐसे नैरेटिव को बनाने वाले और कहने वाले का नजरिया एक खास वैकल्पिक सच का निर्माण करता है जिसमें किसी दूसरे नजरिए और किसी दूसरे तर्क की कोई गुंजाइश नहीं होती! आज के श्मीडियाय व श्सोशल मीडियाय में श्सचय को श्झूठय और श्झूठय को श्सचय बनाने के लिए ऐसे ही नैरेटिवों से काम लिया जाता है।इसे हम एक ताजा उदाहरण से समझने की कोशिश करेंरू एक रोज एक एअरपोर्ट पर एक महिला सांसद को एक महिला कांस्टेबल ने थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ खाने वाली महिला सांसद ने जब पूछा कि क्यों मारा तो उसने कहा कि वह किसान आंदोलन को बदनाम करने वाले उसके एक मेसेज से नाराज थी..। ऐसे में कानून कहता है कि ड्यूटी करते वक्त किसी भी वर्दीधारी को अपनी खुन्नस निकालने का हक नहीं लेकिन यह घटना घटित होते ही सोशल मीडिया में श्दो नैरेटिवोंय में बंट गई। एक नैरेटिव थप्पड़ खाने वाली के प्रति श्हमदर्दीय में चला तो दूसरा थप्पड़ मारने वाली के पक्ष में भी चला कि थप्पड़ मारने वाली का गुस्सा जायज है। एक चौनल पर एक प्रवक्ता ने तो इसे श्डाइसेंटय यानी श्असहमतिय कह कर थप्पड़ को भी महिमा मंडित कर दिया। एक नैरेटिव ने इस हिंसा को एक श्अवाछित हिंसाय की तरह बताया जबकि दूसरे ने सिर्फ श्असहमतिय कहा। इसलिए आज के मीडिया की समीक्षा करनी हो तो उसके बनाए और स्थापित किए जाते नैरेटिवों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

संघ प्रमुख भागवत ने भाजपा और मोदी को खरी खरी सुना कर क्या संदेश दिया है?

आरएसएस प्रमुख ने अपने संबोधन के जरिये जिस तरह के तेवर दिखाये हैं उससे प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार स्पष्ट बहुमत से दूर रही भाजपा को सिर्फ अपने गठबंधन सहयोगियों को ही साथ लेकर नहीं चलना होगा बल्कि संघ परिवार के लोगों को भी साथ लेकर चलना होगा।नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो देश–दुनिया से बधाई संदेश आने लगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इसी बीच मोदी सरकार और भाजपा को जिस तरह खरी–खरी सुनाई उससे सब आश्चर्यचकित हैं। हालांकि विपक्ष ने भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया है। देखा जाये तो मणिपुर की अशांति को लेकर भाजपा की चुप्पी पर मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह एनडीए सरकार के लिए बड़ी चेतावनी की तरह है। मणिपुर में अब भी जिस तरह से हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि वहां के मुद्दे हल करने में केंद्र और राज्य सरकार नाकाम रही हैं। इसके अलावा, आरएसएस प्रमुख ने अपने संबोधन के जरिये जिस तरह के तेवर दिखाये हैं उससे प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार स्पष्ट बहुमत से दूर रही भाजपा को सिर्फ अपने गठबंधन सहयोगियों को ही साथ लेकर नहीं चलना होगा बल्कि संघ परिवार के लोगों को भी साथ लेकर चलना होगा। आरएसएस के कई पदाधिकारी इस बात को स्वीकार रहे हैं कि चुनावों से पहले भाजपा ने अति आत्मविश्वास के साथ श्अबकी बार 400 पारश का नारा लगाना शुरू किया था तब संघ परिवार के लोगों ने उन्हें जमीन पर रह कर काम करने की सलाह दी थी लेकिन पार्टी के नेताओं को श्मोदी है तो मुमकिन हैश नारे पर इतना भरोसा हो गया था कि उन्होंने किसी की नहीं सुनी और आखिरकार मुंह की खानी पड़ी। देखा जाये तो लगभग ऐसी ही स्थिति साल 2004 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी हुई थी जब भाजपा के नेता इंडिया शाइनिंग के नारे पर इतना भरोसा कर रहे थे कि उन्होंने जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दी थी। रही सही कसर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कथित तौर पर आरएसएस के बारे में दिये गये बयान से पूरी हो गयी थी। चुनावों के बीच ही आरएसएस कार्यकर्ताओं ने जिस तरह भाजपा से दूरी बना ली थी उससे पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ा। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जिस तरह इशारों इशारों में भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं उससे यह भी संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन में अब नागपुर की ज्यादा चलेगी। हम आपको याद दिला दें कि 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार के बाद भागवत की पहल पर ही नितिन गडकरी को नागपुर से दिल्ली भेजा गया था ताकि वह पार्टी को संभालें। उस समय भाजपा में लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार जैसे नेता दिल्ली की राजनीति में प्रभावी थे लेकिन सबको दरकिनार कर गडकरी को लाया गया था।जहां तक मोहन भागवत के संबोधन की बात है तो आपको बता दें कि एक तो उन्होंने मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति स्थापित नहीं होने पर चिंता जताई है साथ ही देश के सभी समुदायों के बीच एकता पर जोर दिया है। आरएसएस प्रमुख ने साथ ही चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद अपनी पहली टिप्पणी में भागवत ने कहा है कि नतीजे आ चुके हैं और सरकार बन चुकी है, इसलिए क्या और कैसे हुआ आदि पर अनावश्यक चर्चा से बचना चाहिए। भाजपा की सीटें घटने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस ''कैसे हुआ, क्या हुआ'' जैसी चर्चाओं में शामिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल मतदान की आवश्यकता के बारे में

जागरूकता उत्पन्न करने का अपना कर्तव्य निभाता है।इसके अलावा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के संबंधों में जिस तरह की खटास हाल के वर्षों में देखने को मिली है उस ओर इशारा करते हुए भागवत ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके। भागवत ने स्पष्ट कहा है कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। उन्होंने विपक्ष को विरोधी कहने की बजाय प्रतिपक्ष नाम से पुकारने का सुझाव भी दिया है। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल और नेता एक–दूसरे की बुराई कर रहे हैं, लेकिन वे इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार पैदा हो सकती है। भागवत का इस बात पर अफसोस जताना भी स्वाभाविक ही था कि आरएसएस को बिना किसी कारण राजनीतिक विवादों में घसीटा जाता है। दूसरी ओर, भले इस बार का लोकसभा चुनाव बिना किसी विघ्न के संपन्न हुआ लेकिन इस बार के लोकसभा चुनावों में मिथ्या प्रचार और अफवाहों का बाजार खूब देखने को मिला। इस ओर भी इशारा करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव में हमेशा दो पक्ष होते हैं, लेकिन जीतने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने परोक्ष तौर पर डीपफेक आदि की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि तकनीक का उपयोग करके झूठ फैलाया गया। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही गृह मंत्री अमित शाह का आरक्षण के बारे में विवादित बयान वाला डीपफेक वीडियो जारी किया गया था जिसे कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा भी कर दिया था। इसके अलावा, भागवत ने देश की विविधता का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने की नसीहत देते हुए यह भी कहा कि एक दूसरे की उपासना पद्धति का सम्मान किया जाना चाहिए। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि इस्लाम और ईसाई जैसे धर्मों की अच्छाई और मानवता को अपनाया जाना चाहिए और सभी धर्मों के अनुयायियों को एक–दूसरे का भाई–बहन के रूप में सम्मान करना चाहिए। देखा जाये तो भागवत की यह नसीहत उन लोगों के लिए खासतौर पर है जो टीवी की बहसों और सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों में धर्म विशेष को निशाना बनाते हैं। यकीनन ऐसे लोगों के चलते ही समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ता है। इसके अलावा, जो लोग बात–बात पर दूसरों को देश छोड़कर कहीं ओर बस जाने की सलाह देते हैं, उनकी ओर इशारा करते हुए भागवत ने कहा है कि सभी को यह मानकर आगे बढ़ना चाहिए कि यह देश हमारा है और इस भूमि पर जन्म लेने वाले सभी लोग हमारे अपने हैं। आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया है कि कुछ लोगों की यह सोच कि केवल विदेशी विचारधाराएं ही सत्य हैं, समाप्त होनी चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अतीत की बातों को भूलने और सबको अपनाने की सीख दी है। साथ ही उन्होंने जातिवाद को पूरी तरह से खत्म करने का आह्वान करते हुए अपने संगठन के पदाधिकारियों से समाज में सामाजिक सद्भाव की दिशा में काम करने के लिए कहा है। बहरहाल, संघ प्रमुख के नागपुर में दिये गये संबोधन को लेकर जिस तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि प्रतिपक्ष को भाजपा पर वार करने के लिए नया हथियार मिल गया है। खैर...पहले ही चुनावी नतीजों से परेशान दिख रही भाजपा यदि भागवत की नसीहत पर तत्काल प्रभाव से अमल करे तो यकीनन वह जल्द ही निराशा के भंवर से उबर सकती है।

कंधे से कंधा मिलाकर चलने प्रतिबद्धता

आचार्य पवन त्रिपाठी

लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार की जीत का केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय महत्त्व भी है। अनेक कारणों से इस बात को कहा जा सकता है।

सबसे पहले तो देखें कि कई दशकों की जोड़–तोड़ की राजनीति एवं राजनैतिक अस्थिरता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विराम लगा दिया है। आज पूरी दुनिया के शीर्ष नेता एवं नेतृत्व भारत को अत्यंत ही सकारात्मक एवं भरोसेमंद विदेश नीति वाले देश के रूप में देखते हैं। कहना न होगा कि पूरी दुनिया में नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक नई पहचान दी है।

रविवार को लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले चुके नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिला नया जनादेश भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी भूमिका के लिए नई ऊर्जा देने वाला साबित होगा।ऐतिहासिक रूप से एनडीए की परंपरा अटलबिहारी वाजपेयी के समय से सहभागिता, सहयोग एवं सर्वसम्मति के साथ सबका साथ– सबका विकास की ही रही है। आने वाले पांच साल में भी भाजपा सहित राजग के सभी सहयोगी घटक राष्ट्र निर्माण में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित दिखाई दे रहे हैं। इसकी एक झलक बीते शुक्रवार को पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई राजग की बैठक में भी देखने को मिल चुकी है। वहां राजग के सभी प्रमुख सहयोगियों ने न सिर्फ मोदी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल पर संतोष जताया, बल्कि अगले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के कंधे से कंधा मिलाकर चलने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

दरअसल, देश में गठबंधन सरकार चलाने के मामले में वाजपेयी सरकार को आदर्श उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। अपने घटक दलों और सहयोगी दलों के साथ सहज भाव से रहते हुए आम जनता के जीवन को सहज बनाने और सुविधापूर्ण बनाने में वाजपेयी सरकार के कामकाज को आज भी याद किया जाता है।

वास्तव में 2047 में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा गठबंधन श्राष्ट्र सर्वोपरिय के सिद्धांत पर आगे बढ़ना चाहता है। निश्चित रूप से इस दृष्टि से बड़े और कड़े फैसले भी लिए जाएंगे। न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी, बल्कि बिहार के नीतीश कुमार एवं आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता अपने–अपने राज्यों में अपने पिछले कार्यकालों में सुशासन के लिए ही जाने जाते रहे हैं। इसलिए उनके अनुभव का लाभ भी प्रधानमंत्री को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।
इन दोनों नेताओं को उनके अपने–अपने राज्यों में विकास पुरुष के रूप में जाना जाता है। चुनावी परिणाम और जनादेश ने भारतीय लोकतंत्र की ताकत, निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी साबित कर दिया है। ईवीएम का राग अलापने वाले आधारविहीन विपक्ष के मुंह पर यह बड़ा तमाचा है। आज भी श्ब्रांड मोदीय का जलवा बरकरार है। देश के जनमानस में बीजेपी, नरेन्द्र मोदी और एनडीए के प्रति विश्वास को 2024 के जनादेश ने पुनरूस्थापित किया है। यह जीत करोड़ों कार्यकर्ताओं, वोटरों एवं कुशल नेतृत्व की जीत है। यह भारतीय प्रजातंत्र की जीत है जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिनरू..का भारतीय दर्शन भी निहित है। हर एक प्रजातंत्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक पड़ाव आता है, जो राष्ट्र की नीति और नियति तय करता है। लोक सभा 2024 के चुनाव परिणाम में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की विजय ऐसा ही ऐतिहासिक पल है। निश्चित रूप से इस चुनावी विजय ने अनेकानेक सकारात्मक संदेश दिए हैं।
इतिहास के पन्नों को पलटें तो पाएंगे कि 1962 के बाद पहली बार किसी नेता को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने का अवसर मिला है। इसके साथ–साथ यह तो और भी ऐतिहासिक है कि प्रधानमंत्री पद से पहले नरेन्द्र मोदी चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर गुजरात का शासन सफलतापूर्वक चला चुके हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षो के पुरुषार्थ, तप एवं विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है कि अनेक झूठे प्रचारों के बावजूद पार्टी विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया आइएनडीआइए गठबंधन अकेले भारतीय जनता पार्टी की सीटों से भी आगे नहीं जा सका। साठ वर्षो से अधिक समय तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस तो 100 सीटों के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई।स्पष्ट है कि जनता ने विपक्षी गठबंधन को सिरे से नकार दिया है। इस चुनाव ने पुनरू स्पष्ट कर दिया है कि आने वाला समय विकास एवं कल्याण की राजनीति का है न कि धर्म, जाति, पंथ और सांप्रदायिकता का। एक और विशेष बात जो प्रधानमंत्री मोदी को विशिष्ट बनाती है, वह है कि इनकी श्राष्ट्र प्रथमय की सोच और अंतिम छोर पर खड़े देश के हर नागरिक के प्रति संवदेनशीलता।
एक ओर जहां विपक्ष ने धर्म और जाति के आधार पर ध्रुवीकरण का प्रयास किया, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत प्रधानमंत्री मोदी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े नागरिक तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत रहे। अब भाजपा एवं एनडीए देश के हर कोने में मजबूती के साथ विस्तार कर रहा है। ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु एवं केरल में पार्टी का वोट प्रतिशत भी तेजी से बढ़ा है।
आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले दो कार्यकाल खासे उत्साहवर्धक रहे। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक पटल पर ऊंची छलांग लगाते हुए अनेक विकसित देशों को चौंका दिया। पिछले 10 वर्षो में जिस संकल्प एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दुनिया की पहली पांच अर्थव्यवस्थाओं में लाकर खड़ा कर दिया है, वह अपने आप में एक अद्भुत मिसाल है। आर्थिक मोर्चे पर देश को आगे ले जाने की इसी इच्छाशक्ति के साथ शुक्रवार को केंद्रीय कक्ष की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राज्यों को संदेश दे दिया है कि वे बड़े विदेशी निवेश के लिए अपने यहां सरल एवं सीधी नीतियां बनाएं ताकि विदेशी कंपनियां देश के हर राज्य में अपने लिए अनुकूल वातावरण महसूस करें, और हर राज्य में निवेश के साथ–साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

आज का राशिफल

1.मेष राशिरूआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको किसी कार्य के प्रति की गई मेहनत के सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा फोकस कार्यों पर रहे। किसी शुभचिंतक की मदद आपके लिए उम्मीद की किरण लेकर आएगी।

2. वृष राशिरू आज आपका दिन उत्तम रहेगा। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। किसी खास व्यक्ति का सहयोग आपको मिलेगा। आज किसी मित्र की मदद से आपकी कोई समस्या हल होने वाली है। दिनचर्या को सुधारने का प्रयास काफी हद तक सफल रहेगा। आप सकारात्मक महसूस करेंगे। रचनात्मक कार्यों में भी सुखद समय बीतेगा।

3. मिथुन राशिरूआज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आज किसी वजह से आपके स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। इस राशि के जो लोग नौकरी कर रहे हैं उनको आज फाइल या पेपर वर्क पूरा करने के लिए ओवर टाइम करना पड़ सकता है। आज जीवनसाथी तथा परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा और आपसी सामंजस्य द्वारा घर की व्यवस्था उचित बनी रहेगी।

4. कर्क राशिरूआज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आज दूसरों की मदद और सहयोग में आपका योगदान बना रहेगा। सामाजिक मान–प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। किसी धार्मिक समारोह में जाने से लोगों के साथ मुलाकात होगी। इस राशि के छात्रों को अपने करियर से संबंधित कोई खुशखबरी मिलने के योग बन रहे हैं। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे।

5. सिंह राशिरू आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यो का मान–सम्मान बनाए रखेंगे तो सभी के चेहरे पर आपको खुशी देखने को मिलेगी। घर के रखरखाव संबंधी वस्तुओं की खरीददारी करते समय अपने बजट का भी ख्याल रखेंगे तो आपको भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी। आज आप बच्चों के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

6. कन्या राशिरू आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रुचि पूर्ण कार्यों में बेहतरीन समय बीतेगा। घर में उचित व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कामयाब होगी। आज आपका आत्मविश्वास नई उम्मीद और आशाओं को फिर से जगायेगा। दूसरों के मामले में ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचे।

7. तुला राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसायिक मामलों में कुछ बदलाव आएंगे। जल्दबाजी की बजाय सहज तरीके से समाधान निकालेंगे। आज ऑनलाइन गतिविधियों द्वारा नई–नई व्यवसायिक जानकारियां हासिल करेंगे। इस राशि के नौकरी कर रहे लोगों को खास जिम्मेदारी मिल सकती है। आज व्यवस्थित दिनचर्या और खानपान रखने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या से राहत मिलेगी। आप खुद को सकारात्मक महसूस करेंगे।

8. वृश्चिक राशिरू आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज दिन की शुरुआत बेहतरीन रहने वाली है। किसी मित्र अथवा सहयोगी द्वारा फोन के माध्यम से कोई महत्वपूर्ण सूचना मिलेगी, जिससे आप प्रसन्नता महसूस करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में आपका विशेष योगदान रहेगा। आज लवमेट के रिश्ते में उचित सामंजस्य बना रहेगा। आज आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।

9. धनु राशिरू आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे। आज आपकी कई तरह की गतिविधियो में व्यस्तता रहेगी। आपका कर्म प्रधान होना आपके भाग्य को और अधिक मजबूत कर रहा है।

10. मकर राशिरू आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कुछ नई बातें सीखने को मिलेंगी। अच्छे लोगों से मेल मिलाप एक नई ऊर्जा प्रवाहित करेगा। आज किसी रुके हुये कार्य को पूरा करने का प्लान बनाने में सफल होंगे। इस राशि के स्पोर्ट्स से जुड़े विद्यार्थियों के लिए लाभदायक अवसर के योग बन रहे हैं।

11. कुंभ राशिरू आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। अन्य गतिविधियों में व्यस्त रहने के साथ–साथ अपने व्यक्तिगत कार्यों पर भी ध्यान दें। प्रॉपर्टी लेने से संबंधित योजना बनायेंगे। आज आपको किसी भी वाद–विवाद से बचने की जरूरत है।

12. मीन राशिरू आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आप भावुकता में कोई भी निर्णय लेने से बचे। धैर्य और संयम बनाकर रखेंगे तो जल्द ही सब ठीक भी होगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित है आज उन लोगों के लिए खुशखबरी आने के योग बन रहे हैं।

सिंगापुर एयरलाइंस ने यात्रियों को मुआवजे की पेशकश की

सिंगापुर एयरलाइंस ने पिछले महीने वायुमंडलीय विक्षोभ का शिकार हुए एक विमान में सवार 211 यात्रियों को मंगलवार को पूरा हवाई किराया वापस करने और आर्थिक मुआवजे का भुगतान करने की पेशकश की। सिंगापुर। सिंगापुर एयरलाइंस ने पिछले महीने वायुमंडलीय विक्षोभ का शिकार हुए एक विमान में सवार 211 यात्रियों को मंगलवार को पूरा हवाई किराया वापस करने और आर्थिक मुआवजे का भुगतान करने की पेशकश की। पिछले महीने लंदन से सिंगापुर की उड़ान में अचानक वायुमंडलीय विक्षोभ के कारण विमान के लड़खड़ाने के कारण एक यात्री की मौत हो गयी थी और कई अन्य लोग घायल हुए थे। सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की लंदन से सिंगापुर जा रही उड़ान संख्या एसक्यू321 को 21 मई को भारी वायुमंडलीय विक्षोभ का सामना करना पड़ा था।बोइंग 777–300 ईआर विमान में 211 यात्री और चालक दल के 18 सदस्य सवार थे। विमान को आपात स्थिति में बैंकॉक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर उतारा गया था। विमान इतनी बुरी तरह से लड़खड़ाया था कि यात्री और चालक दल के सदस्य विमान की छत तक उछल कर नीचे गिर गए, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों यात्री घायल हो गए। एसआईए ने एक बयान में कहा कि सोमवार को यात्रियों को मुआवजा देने के प्रस्ताव भेज दिये गये। बयान के मुताबिक, इस घटना में जिन लोगों को मामूली चोटें आईं, उन्हें मुआवजे के तौर पर 10 हजार अमेरिकी डॉलर की पेशकश की गई। बयान में कहा गया, जिन लोगों को इस घटना में ज्यादा गंभीर चोटें आईं, हमने उन्हें उनकी परिस्थिति के हिसाब से मुआवजे के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया है।

एसआईए ने कहा, जिन यात्रियों को चिकित्सकीय रूप से गंभीर चोटें आईं हैं, जिन्हें दीर्घकालिक चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है और जो वित्तीय सहायता चाहते हैं, उन्हें उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए 25 हजार अमेरिकी डॉलर के अग्रिम भुगतान की पेशकश की जाती है। विमानन कंपनी ने कहा, यह यात्रियों को मिलने वाले अंतिम मुआवजे का ही हिस्सा होगा। उड़ान संख्या एसक्यू321 के सभी यात्रियों को हवाई किराए की पूरी राशि वापस की जाएगी, इनमें वे यात्री भी शामिल हैं जिन्हें किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई। समाचार चौनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, उड़ान संख्या एसक्यू321 में सवार चालक दल के 18 सदस्यों के लिए मुआवजे का कोई उल्लेख नहीं किया गया। खबर के मुताबिक, विमानन कंपनी एसक्यू321 में सवार प्रभावित यात्रियों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रशिया टूरिस्ट अस्टेक के खिलाफ भयंकर प्रदर्शन, शहबाज सरकार को अलर्ट पर रहने की हिदायत

भारत में दिख रहे गुस्से को देखते हुए पाकिस्तान में भी नेताओं को हमला का डर सताने लगा है। जम्मू–कश्मीर के रियासी में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) के पूर्व प्रधानमंत्री राजा फारूक हैदर खान ने सोशल मीडिया पर कड़ी चेतावनी जारी की है। जम्मू कश्मीर के रियाशी में बस पर हुए आतंकी हमले को लेकर शहर शहर आक्रोश है। जयपुर में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया है। रियाशी में बस पर जो हमला हुआ उसमें मारे गए चार लोग जयपुर के पास के शहर चौमू के थे। जैसे ही उन लोगों का शव पहुंचा लोगों का गुस्सा भड़क उठा। सड़क पर उतरकर लोग अपना आक्रोश दर्ज कराते नजर आए। मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग भी उठाई जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। श्रद्धालु यात्री की सुरक्षा को लेकर भी लोगों की चिंता बनी हुई है। जयपुर के अलावा भी तमाम शहरों से विरोध प्रदर्शन की तस्वीर सामने आई है। भारत में दिख रहे गुस्से को देखते हुए पाकिस्तान में भी नेताओं को हमला का डर सताने लगा है। जम्मू–कश्मीर के रियासी में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) के पूर्व प्रधानमंत्री राजा फारूक हैदर खान ने सोशल मीडिया पर कड़ी चेतावनी जारी की है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने पाकिस्तान से क्षेत्र में किसी भी संभावित भारतीय सैन्य प्रतिक्रिया के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के नेता हैदर को लग रहा है कि रविवार को जम्मू के रियासी जिले में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ातंकवादियों ने श्रद्धालुओं को शिव खोरी मंदिर से कटरा में माता वैष्णों देवी मंदिर ले जा रही 53 सीट वाली बस पर पोनी इलाके में तेरयाथ गांव के पास रविवार को गोलीबारी कर दी थी। हमले के बाद बस खाई

में जा गिरी थी। इस हमले के बाद आतंकी फरार हो गए, जिनकी तलाश में सुरक्षा बल लगे हुए हैं। इस तलाशी अभियान में सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर काम कर रही है। कश्मीर घाटी में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। ड्रोन की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है और सुरक्षा बलों की 11 टीमें काम कर रही हैं तथा पोनी तेरयाथ इलाके की कई तरफ से घेराबंदी की गई है। इस हमले में लश्कर का टॉप कमांडर अबू हमजा समेत एक और पाकिस्तानी आतंकी और पाकिस्तानी सेना का पूर्व जवान भी शामिल है। ये भी खुलासा हुआ है कि आतंकियों ने इंसास रायफल से बस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। रियाशी के जिस शिवखोड़ी राजमार्ग पर हमला

हुआ उसे फिलहाल छावनी में तब्दील कर दिया गया है। जिस तरह से श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों को निशाना बनाया गया है उसके बाद से अमरनाथ यात्रा को लेकर भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। 29 जून से यात्रा शुरू होनी है।

कनाडा में हिंसा और नफरत के लिए कोई जगह नहीं, इंदिरा हत्याकांड वाले खालिस्तानी पोस्टरों पर भारत के विरोध के बाद आया ट्रूडो सरकार का रिएक्शन

1984 भारतीय सेना ने खालिस्तानी चरमपंथियों को खदेड़ने के लिए स्वर्ण मंदिर पर धावा बोल दिया। उसी वर्ष इंदिरा गांधी को उनके अंगरक्षकों ने गोली मार दी थी। झांकी में इंदिरा गांधी के पुतले को उनके अंगरक्षकों द्वारा गोली मारते हुए दिखाया गया। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाने वाली एक झांकी से पैदा हुए विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कनाडा में हिंसा को बढ़ावा देना कभी भी स्वीकार्य नहीं है। कनाडा सरकार रविवार को ब्रैम्पटन में प्रदर्शित की गई अन्य तस्वीरों से अवगत है। कनाडा की स्थिति स्पष्ट है। कनाडा में हिंसा को बढ़ावा देना कभी भी स्वीकार्य नहीं है। रविवार को ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधान मंत्री

इंदिरा गांधी की हत्या पर आध ारित एक झांकी प्रदर्शित होने के बाद भारत ने कनाडाई सरकार के सभी स्तरों से अनुकरणीय कार्रवाई की मांग की है। ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक परेड में विवादास्पद फ्लोट प्रदर्शित किया गया था। 1984 भारतीय सेना ने खालिस्तानी चरमपंथियों को खदेड़ने के लिए स्वर्ण मंदिर पर धावा बोल दिया। उसी वर्ष इंदिरा गांधी को उनके अंगरक्षकों ने गोली मार दी थी। झांकी में इंदिरा गांधी के पुतले को उनके अंगरक्षकों द्वारा गोली मारते हुए दिखाया गया। पोस्टर में यह भी कहा गया कि उसे सजा 21 अक्टूबर 1984 को दी गई थी। पिछले साल खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव आ गया है। कनाडा ने हत्या के लिए कथित भारतीय एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया है। नई दिल्ली दिल्ली ने आरोप को बेबुनियाद और बेतुका बताया। झांकी वैंकूवर में भारत के वाणिज्य दूतावास के सामने एक विरोध प्रदर्शन के दौरान इसी तरह के प्रदर्शन के ठीक तीन दिन बाद दिखाई दी। शुक्रवार को उस पर प्रतिक्रिया देते हुए, कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने एक्स पर पोस्ट किया कि कनाडा में हिंसा को बढ़ावा देना कभी भी स्वीकार्य नहीं है।

ओटावा में भारत के उच्चायुक्त, संजय कुमार वर्मा ने कहा था कि नई दिल्ली दिल्ली ने कनाडा में सभी स्तरों की सरकारों से हिंसा और नफरत के सार्वजनिक प्रदर्शन के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

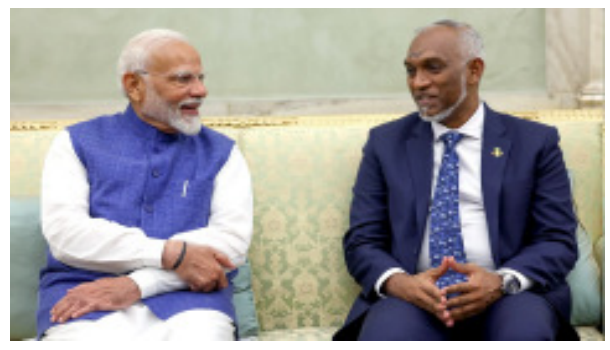

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का भारत के खिलाफ एक और नफरती खेल, दिल्ली में कर रहे गलबहियां अपने देश में रच रहे साजिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत की संक्षिप्त यात्रा के दौरान हाथ मिलाने और बधाई संदेशों के बावजूद, दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत की संक्षिप्त यात्रा के दौरान हाथ मिलाने और बधाई संदेशों के बावजूद, दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हाल ही में, मालदीव की संसदीय समिति ने पिछली सरकार द्वारा भारत के साथ हस्ताक्षरित चार समझौतों की जांच करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। इससे यह संकेत जा रहा है कि भारत मैं बैठकर भी मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत के साथ अपने तनाव को खत्म नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथग्रहण समारोह का भी लाइव प्रसारण मालदीव में आखिरी समय में रद्द कर दिया गया। दिल्ली में बैठकर भारत सरकार के साथ गलबहियां करने वाले मुइज्जू के आखिर क्या चाहते है?इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार, जांच के दायरे में आने वाले समझौतों में भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौता, भारत द्वारा समर्थित उथुरु थिला फाल्हू डॉकयार्ड परियोजना और मानवीय और खोज एवं बचाव मिशनों के लिए मालदीव रक्षा बलों को भारत द्वारा उपहार में दिया गया डोर्नियर विमान शामिल हैं। यह प्रस्ताव 20वीं संसद की सुरक्षा सेवा समिति द्वारा पारित किया गया था, जिसे संसद 241 समिति के रूप में भी जाना जाता है, जिसका दावा है कि ये समझौते मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करते हैं। समीक्षा का निर्णय हिताधू सेंट्रल के सांसद अहमद अजान के प्रस्ताव के बाद लिया गया। ये समझौते राष्ट्रपति सोलिह के प्रशासन के दौरान हस्ताक्षरित किए गए थे।पिछले साल दिसंबर में, राष्ट्रपति मुइज्जू

के नेतृत्व वाली मालदीव सरकार ने भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला किया, जो 7 जून, 2024 को समाप्त हो गया। 8 जून, 2019 को प्रध ानमंत्री मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान, एक महत्वपूर्ण हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते ने भारत को मालदीव के क्षेत्रीय जल का व्यापक सर्वेक्षण करने के लिए अधिकृत किया, जिसमें इसकी चट्टानें, लैगून, तटरेखाएँ, महासागरीय धाराएँ और ज्वार का स्तर शामिल है। सोनार जैसे उपकरणों से लैस जहाजों द्वारा किए जाने वाले हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, जल निकायों के विभिन्न पहलुओं की जाँच करते हैं। जैसा कि यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा वर्णित किया गया है, ये सर्वेक्षण पानी की गहराई, समुद्र तल और तटरेखा के आकार, संभावित अवरोधों और अन्य भौतिक विशेषताओं का मानचित्रण करते हैं, जिससे समुद्री यातायात की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित होती है। मनीकंट्रोल के अनुसार, हाइड्रोग्राफी पर संयुक्त आयोग की पहली बैठक सितंबर 2019 में मालदीव में हुई थी। इसके बाद, 2021 के फरवरी और मार्च में, भारतीय नौसेना के जहाज दर्शक ने पहला संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण किया। यह सहयोगात्मक प्रयास 2021, 2022 और 2023 में किए गए तीन सर्वेक्षणों के साथ जारी रहा, जिसमें 944 वर्ग किलोमीटर को कवर किया गया, जिसमें 1853 से सर्वेक्षण नहीं किए गए क्षेत्र भी शामिल थे। इन सर्वेक्षणों में मल्टी–बीम इको साउंडर्स का उपयोग किया गया और सटीक ज्वार की भविष्यवाणी के लिए ज्वार माप शामिल थे। इन सर्वेक्षणों का प्राथमिक उद्देश्य नेविगेशनल चार्टध् इलेक्ट्रॉनिक नेविगेशनल चार्ट को अपडेट करना था, जिससे सटीक और वर्तमान समुद्री जानकारी प्रदान करके पर्यटन, मछली पकड़ने और कृषि जैसे विभिन्न उद्योगों को लाभ हो। फरवरी 2021 में, भारत और मालदीव ने औपचारिक रूप से उथुरु थिला फाल्हू नौसैनिक अड्डे पर एक तटरक्षक बंदरगाह और डॉकयार्ड विकसित करने पर सहमति व्यक्त की। इस समझौते पर मालदीव के रक्षा मंत्री मारिया अहमद दीदी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 2016 में मालदीव के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन अब्दुल गयूम द्वारा भारत यात्रा के दौरान स्थापित रक्षा कार्य योजना के ढांचे के तहत किया गया था। समझौते के दायरे में बंदरगाह और डॉकयार्ड का निर्माण, साथ ही आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। भारत को संचार संसाधन, रडार सेवाएं और प्रशिक्षण सहायता बढ़ाने का भी काम सौंपा गया है। इन विकासों के बावजूद, मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल ने स्पष्ट किया कि कोई भी भारतीय सैन्यकर्मी बेस पर तैनात नहीं होगा। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद संयुक्त बयान में कहा गया था कि अप्रैल 2013 में मालदीव सरकार द्वारा भारत सरकार से समर्थन और सहयोग के लिए किए गए अनुरोध के अनुसरण में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, ताकि मालदीव रक्षा बलों की क्षमता को बढ़ाने में मदद मिल सके और अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र और द्वीपों की समुद्री निगरानी की जा सके।सितंबर 2020 में, मालदीव को भारतीय नौसेना से डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान मिला, जिसे दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों में एक ष्बहुत बड़ा मील का पत्थरष कहा गया। विमान का उद्देश्य देश को समुद्री और विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) निगरानी, घ्मानवीय सहायता, आपदा और चिकित्सा राहत में मदद करना था। इसके अलावा, इसका उद्देश्य उत्तरी एटोल में मालदीवियों की मदद करना और विदेशी जहाजों की पहचान करना था। हालाँकि, जैसा कि अब स्थिति है, विमान द्वीपसमूह में बेकार पड़ा है और देश में इसे उड़ाने के लिए कोई भी प्रशिक्षित नहीं है।राष्ट्रपति मुइजू की मांग के अनुसार, द्वीप राष्ट्र में तैनात सभी 77 भारतीय सैन्य कर्मियों को इस साल मई में वापस भेज दिया गया था। आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ सोमवार को द्विपक्षीय बैठकें कीं। मुइज्जू, हसीना और विक्रमसिंघे भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात देशों के नेताओं में शामिल हैं, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में रविवार को शामिल हुए। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''नयी दिल्ली में आज मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु से मिलकर खुशी हुई। भारत और मालदीव के मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं।'' जयशंकर मोदी की पूर्ववर्ती कैबिनेट में विदेश मंत्री थे। उन्होंने रविवार को केंद्रीय मंत्री के तौर पर फिर से शपथ ली। मुइज्जु के पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव का राष्ट्रपति बनने के बाद

यह उनकी पहली भारत यात्रा है। ऐसा माना जाता है कि मुइज्जु का रुख चीन समर्थक है। उनके मालदीव के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद से भारत और मालदीव के संबंधों में भारी तनाव पैदा हो गया है।

पुल ढहने से अवरुद्ध बाल्टीमोर नौवहन मार्ग फिर से पूरी तरह खुला

अधिकारियों ने सोमवार शाम एक समाचार विज्ञप्ति जारी कर मार्ग को फिर से खोले जाने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कंक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कहीं जाकर यह मार्ग फिर से खुला है।बाल्टीमोर। बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग अपनी पूरी क्षमता के साथ पूर्णतरू खुल गया है। 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल 26 मार्च को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण बंदरगाह पर समुद्री यातायात कई दिन तक अवरुद्ध रहा था। अधिकारियों ने सोमवार शाम एक समाचार विज्ञप्ति जारी कर मार्ग को फिर से खोले जाने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कंक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कहीं जाकर यह मार्ग फिर से खुला है। एक मालवाहक जहाज के अनियंत्रित होकर पुल के एक खंभे से टकराने के बाद उसका एक हिस्सा ढह गया था, जिसके मलबे के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी थी। सभी मृतक लैटिनो आप्रवासी थे, जो पुल पर गड्ढों को भरने के लिए रातभर काम कर रहे थे। देश के अन्य बंदरगाहों की तुलना में बाल्टीमोर बंदरगाह के जरिये अधिक कारों और कृषि उपकरणों का आवागमन होता है। यह बंदरगाह मलबे को हटाये जाने के दौरान कई सप्ताह तक प्रभावी रूप से बंद रहा। हालांकि चालक दल कई चरणों में मार्ग के कुछ हिस्से को फिर से खोलने में सक्षम रहा, जिससे हाल के हफ्तों में कुछ हद तक वाणिज्यिक यातायात बहाल हो पाया। लगभग दो महीने से मलबे के बीच फंसे मालवाहक जहाज डाली को 20 मई को निकाला गया और वापस बंदरगाह की ओर ले जाया गया। डाली को हटाए जाने के बाद 50 फुट (15 मीटर) गहरे और 400 फुट (122 मीटर) चौड़े मार्ग के एक हिस्से को खोल दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पूरा मार्ग 700 फुट (213 मीटर) चौड़ा है, जिससे दोनों तरफ का यातायात फिर से शुरू हो सकता है।

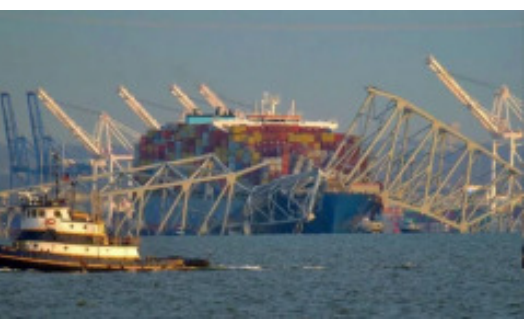

इयू के चुनाव में सबसे मजबूत नेता बनकर उभरी मैलोनी जी 7 शिखर सम्मेलन की करेंगी मेजबानी

सात औद्योगिक राष्ट्रों के समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी करेंगी। वह यूरोपीय संसदीय चुनाव में यूरोपीय संघ की सबसे स्थिर नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी के जर्मन और फ्रांसीसी समकक्षों को यूरोपीय संसदीय चुनावों से झटका लगा है। मेलोनी के ठोस नतीजों ने इतालवी राजनीति में एक दुर्लभ स्थिरता पैदा की है। मिलान । इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इस सप्ताह के सात औद्योगिक राष्ट्रों के समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगी। वह यूरोपीय संसदीय चुनाव में यूरोपीय संघ की सबसे स्थिर नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी के जर्मन और फ्रांसीसी समकक्षों को यूरोपीय संसदीय चुनावों से झटका लगा है,

जबकि मेलोनी के दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को इटली मजबूत होकर उभरी है। इससे वह यूरोप में भी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी के ठोस नतीजों ने इतालवी राजनीति में एक दुर्लभ स्थिरता पैदा की है। मेलोनी ने सोमवार को समर्थकों से कहा, ''मुझे गर्व है कि यह देश जी7 में और यूरोप में सबसे मजबूत सरकार के रूप में खुद को पेश करता है। यह कुछ ऐसा है जो पहले कभी नहीं हुआ है, जो अब हो रहा है। यह संतुष्टि की बात है, और एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।'' मेलोनी इस सप्ताह अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगी जब वह 13–15 जून को दक्षिणी पुगलिया क्षेत्र में जी7 बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक में वैश्विक संघर्षों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रसार और अफ्रीका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

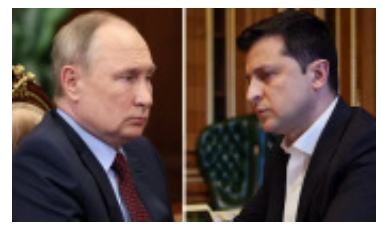

स्वटजरलैंड में यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में 90 देश भाग लेंगे, रूसं ने बनाई दूरी

रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच यहां सप्ताहांत में स्विटजरलैंड की मेजबानी में आयोजित 'यूक्रेन

शांति शिखर सम्मेलन' में करीब 90 देशों और संगठनों ने शामिल होने की पुष्टि की है, जबकि मॉस्को ने इसमें शरीक होने से इनकार कर दिया है। स्विटजरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने सोमवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी।बर्न (स्विटजरलैंड) । दो साल से अधिक समय से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच यहां सप्ताहांत में स्विटजरलैंड की मेजबानी में आयोजित 'यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन' में करीब 90 देशों और संगठनों ने शामिल होने की पुष्टि की है, जबकि मॉस्को ने इसमें शरीक होने से इनकार कर दिया है। स्विटजरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने सोमवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। सम्मेलन में भाग लेने से रूस के इनकार करने के बावजूद इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शामिल होने वाले देशों में से आधे से अधिक राष्ट्र यूरोप से हैं। एमहर्ड ने स्विटजरलैंड की राजधानी में कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले शुरू करने के करीब 28 महीने बाद शनिवार और रविवार को आयोजित शिखर सम्मेलन का लक्ष्य संभावित शांति का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने कहा, ''यह दुष्प्रचार नहीं है।

यह स्विटजरलैंड द्वारा मुहैया की जा रही मानवीय सहायता के मुद्दे पर और वार्ता की पहले करने के बारे में है।'' स्विस अधिकारियों ने बताया कि ब्राजील और चीन ने कहा है कि वह तब तक भाग नहीं लेंगे, जब तक कि रूस सहित दोनों पक्ष वार्ता की मेज पर नहीं आते।

मिस्बाह उल हक ने की टीम मैनेजमेंट की आलोचना, शोएब मलिक को पसंद नहीं बाबर आजम की कप्तानी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाजों ने भारतीय टीम को औसत से कम 119 रन पर रोक दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के मुंह से भारतीय टीम ने जीत झीनकर उन्हें अभी तक इस वर्ल्ड कप में दूसरी हार दी है। इससे पहले पाकिस्तान को अमेरिका से हार झेलनी पड़ी थी। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाजों ने भारतीय टीम को औसत से कम 119 रन पर रोक दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के मुंह से भारतीय टीम ने जीत झीनकर उन्हें अभी तक इस वर्ल्ड कप में दूसरी हार दी है। इससे पहले पाकिस्तान को अमेरिका से हार झेलनी पड़ी थी। पाकिस्तानी ऑलराउंडर शोएब मलिक ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ 6 रन से हार के बाद कप्तान बाबर आजम और टीम के सीनियर खिलाड़ियों की बल्लेबाजी पर तीखा हमला बोला है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने टीम प्रबंधन की जमकर आलोचना की है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने टेन स्पोर्ट्स पर कहा कि, मैं लंबे समय से कह रहा हूं कि कृपया कप्तानी छोड़ दें। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और आप तभी अपनी क्लास दिखा पाएंगे जब आपके ऊपर कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं होगी। अगर बाबर आजम कप्तानी से दूर रहते हैं तो ये उनके लिए अच्छा होगा। शोएब मलिक ने पाकिस्तान के बल्लेबाजी प्रदर्शन, खासकर उनके दो वरिष्ठ खिलाड़ियों बाबर आजम और रिजवान के प्रदर्शन का आकलन किया।

शोएभ मलिक ने कहा कि, लोग बाबर और रिजवान के स्ट्राइक रेट के बारे में बात करते रहते हैं, इसलिए आप सैम अयूब को लेकर आए। 120 रन बनाने थे। आप कल अपना स्ट्राइक रेट सुधारने की कोशिश क्यों कर रहे थे? हर तरह से मंच तैयार था। अगर एक लीडर और बल्लेबाज के तौर पर इस तरह की परिस्थितियों में आपका दिमाग काम नहीं करता है तो ये कब काम करेगा?शोएब मलिक ने ये भी कहा कि, मैं आज ये कहने के लिए मजबूर हूं कि टी20 फॉर्मेट में इस टीम के मुख्य खिलाड़ियों का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए। शोएब ने भारत के खिलाफ रिजवान के शॉट चयन पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे रिजवान का वह शॉट समझ में नहीं आया। इसके अलावा मिस्बाह ने रन चेज के समय पाकिस्तान के दृष्टिकोण में गंभीर त्रुटियों की ओर इशारा किया। खासतौर पर मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद का सही इस्तेमाल नहीं करने पर इफ्तिखार मध्यक्रम में एकमात्र विशेषज्ञ बल्लेबाज होने के बावजूद भारत के खिलाफ नंबर 7 पर बैटिंग करने गए थे।

मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे... हरभजन सिंह की फटकार के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर कामरान अकमल ने मांगी माफी

भारत से मिली हार के बाद से पाकिस्तान झलाया हुआ है। तभी तो पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल के भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर विवादित टिप्पणी कर डाली। जिसके बाद वो ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए, वहीं पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह और सिक्ख समाज के फटकार लगाने के बाद कामरान अकमल अब माफी मांग रहे हैं।टी20 वर्ल्ड कप में भारत से मिली हार के बाद से पाकिस्तान झलाया हुआ है। तभी तो पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल के भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर विवादित टिप्पणी कर डाली। जिसके बाद वो ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए, वहीं पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह और सिक्ख समाज के फटकार लगाने के बाद कामरान अकमल अब माफी मांग रहे हैं।कामरान अकमल ने ग पर लिखा, मैं अपनी हालिया टिप्पणियों पर बेहद खेद व्यक्त करता हूं। हरभजन सिंह और सिख समुदाय से तहेदिल से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे। मैं पूरी दुनिया में सिखों का बहुत सम्मान करता हूं और मेरा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। मैं सच में माफी मांगता हूं। कामरान अकमल ने अपनी पोस्ट को रुत्मेचमबज रु।चवसवहल पर टैग भी किया। कामरान अकमल की टिप्पणी वाला इस वीडियो की क्लिप थोड़ी ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने

भी ये वीडियो देखा। वीडियो देखने के बाद हरभजन सिंह ने कामरान अकमल को जमकर लताड़ा। हरभजन सिंह ने इस वीडियो को एक्स पर फिर से पोस्ट किया और अपने पाकिस्तानी समकक्ष की आलोचना की। हरभजन सिंह ने लिखा कि, लख दी लानत तेरे कामरान अकमल... तुमको अपना गंदा मुंह खोलने से पहले सिखों का इतिहास जानना चाहिए। जब आक्रमणकारियों ने तुम्हारी माताओं और बहनों को अगवा कर लिया था, तब हम सिखों ने ही उन्हें बचाया था। समय हमेशा 12 बजे का होता था। शर्म आनी चाहिए तुम्हें.. कुछ तो अहसान मानो। वहीं आलोचना और लताड़ के बाद कामरान अकमल ने भारतीय खिलाड़ी और सिख समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

पाकिस्तान और कनाडा के मुकाबले पर बारिश का साया, जानें न्यूयार्क के मौसम का मिजाज

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 22वां मैच पाकिस्तान और कनाडा के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में जूझती दिखी बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम के लिए ये मैच करो या मरो वाला होगा। वह अमेरिका और भारत से हराकर बाहर होने की कगार पर हैं। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 22वां मैच पाकिस्तान और कनाडा के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में जूझती दिखी बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम के लिए ये मैच करो या मरो वाला होगा। वह अमेरिका और भारत से हराकर बाहर होने की कगार पर हैं। दूसरी ओर कनाडा की टीम ने आयरलैंड को हराया। वह पाकिस्तान को हराती है तो उसके अमेरिका और भारत के बराबर अंक हो जाएंगे। न्यूयॉर्क का नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही भारत और पाकिस्तान मैच खेला गया था। ये ग्राउंड बल्लेबाजों के लिए काफी दिक्कत पैदा कर रही है। यहां 100 रन बनाना भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। केवल पिच नहीं आउट फील्ड भी परेशानी का कारण है। गेंद ट्रैवल नहीं कर रही, ऐसे में बल्लेबाज जूझते दिखाई दे रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को 120 रन नहीं बनाने दिया। कनाडा–पाकिस्तान मैच की बात करें तो ये मैच भी लो स्कोरिंग

होने की आशंका है। यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम 120 से ऊपर का स्कोर कर लेती है तो उसकी जीत की संभावना बढ़ जाती है। न्यूयॉर्क के मौसम की बात करें तो भारत और पाकिस्तान मैच में बारिश ने खलल डाला था। न्यूयॉर्क के मौसम का मिजाज कनाडा–पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान मंगलवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे। हालांकि, बारिश का अनुमान नहीं है। पाकिस्तान चाहेगा कि बारिश से मैच न धुले। मैच धुलने पर उसका बोरिया बिस्तरा पैक हो जाएगा। पाकिस्तान और कनाडा के बीच पहले एक टी20 मैच हो चुका है। पाकिस्तान की टीम वह मैच जीती थी।

कमरान अकमल ने अर्शदीप पर की गई अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के खिलाफ की गई अपनी अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप में खेले गए मैच का विश्लेषण करते हुए कामरान ने अर्शदीप के सिख धर्म का मजाक बनाया जिसका वीडियो वायरल हो गया था। लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के खिलाफ की गई अपनी अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप में खेले गए मैच का विश्लेषण करते हुए कामरान ने अर्शदीप के सिख ध र्म का मजाक बनाया जिसका वीडियो वायरल हो गया था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया

की थी। कामरान ने हरभजन को टैग करते हुए एक्स पर लिखा, ''मुझे हाल में की गई अपनी टिप्पणियों पर गहरा खेद है और मैं हरभजन सिंह और सिख समुदाय से ईमानदारी से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे। मैं दुनिया भर के सिखों का बहुत सम्मान करता हूं और मेरा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। मैं सच में माफी चाहता हूं।'' कामरान ने पाकिस्तान की पारी के दौरान यह टिप्पणी की। पाकिस्तान को तब 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवर में 17 रन की जरूरत थी। अर्शदीप ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई और भारत ने यह मैच 6 रन से जीता। अकमल ने ओवर से पहले अर्शदीप को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। पाकिस्तान के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा था,''कुछ भी हो सकता है।

इस तरह की पिचों से अमेरिका में क्रिकेट का प्रसार करना मुश्किल

क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका की चार रन से जीत के बाद कहा,''निश्चित तौर पर अगर आप दुनिया को दिखाना चाहते हैं और यहां बाजार तलाश रहे हैं तो मुझे नहीं लगता कि इस तरह की परिस्थितियों में ऐसा करना संभव होगा। क्रिकेट के लिहाज से यह कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इससे शीर्ष टीमों और अन्य टीमों के बीच अंतर कम हो गया है।''न्यूयॉर्क। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने नासाउ काउंटी क्रिकेट ग्राउंड की पिच और आउटफील्ड की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार तलाश रहा है तो इस तरह की परिस्थितियों में ऐसा करना बेहद मुश्किल होगा। इस

मैदान की ड्रॉप इन पिचों पर बल्लेबाजी करना बेहद मुश्किल है। भारत ने टी20 विश्व कप में इस पिच पर 119 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 113 रन का सफलतापूर्वक बचाव किया। क्लासेन ने बांग्लादेश के खिलाफ 44 गेंद पर 46 रन बनाए और आखिर में उनकी यह पारी निर्णायक साबित हुई। क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका की चार रन से जीत के बाद कहा,''निश्चित तौर पर अगर आप दुनिया को दिखाना चाहते हैं और यहां बाजार तलाश रहे हैं तो मुझे नहीं लगता कि इस तरह की परिस्थितियों में ऐसा करना संभव होगा। क्रिकेट के लिहाज से यह कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इससे शीर्ष टीमों और अन्य टीमों के बीच अंतर कम हो गया है।'' इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि बल्लेबाज इस तरह की पिच पर खेलना पसंद नहीं करेंगे जबकि गेंदबाज ऐसी पिचों पर खेलना चाहेंगे। आईसीसी पहले ही स्वीकार कर चुका है कि उसने जिस तरह की पिचों की उम्मीद की थी यह वैसी नहीं हैं। क्लासेन ने कहा,'ईमानदारी से कहूं तो 'मुझे लगता है कि सभी बल्लेबाज इस स्थान से बाहर निकलना चाहेंगे लेकिन गेंदबाज यही बने रहना चाहेंगे। लेकिन हमने अपनी भूमिका निभाई और हमारा लक्ष्य यहां तीनों मैच में जीत दर्ज करना था। निश्चित तौर पर जितना हमने सोचा था जीत हासिल करना उससे अधिक मुश्किल रहा।'' उन्होंने कहा,''हमारे लिए यहां काफी तनाव भरा रहा क्योंकि मैच वास्तव में काफी करीबी बन गए। में क्रिकेट का प्रसार करना थोड़ा आसान हो जाता है।

भारत को अगर टी 20 वर्ल्ड कप जीतना है तो बुमराह को बड़ी भूमिका निभानी होगी

दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मानना घ्है कि अगर भारत को टी20 विश्व कप जीतना है और जसप्रीत बुमराह अपनी अनुकूलन क्षमता और अद्वितीय कौशल से परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा लेते हैं और अगर भारत को टी20 विश्व कप जीतना है तो इस प्रमुख तेज गेंदबाज को अहम भूमिका निभानी होगी। बुमराह ने भारत को बहुप्रतीक्षित मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह रन से रोमांचक जीत दिलाई। न्यूयॉर्क । दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मानना घ्है कि जसप्रीत बुमराह अपनी अनुकूलन क्षमता और अद्वितीय कौशल से परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा लेते हैं और अगर भारत को टी20 विश्व कप जीतना है तो इस प्रमुख तेज गेंदबाज को अहम भूमिका निभानी होगी। बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) ने मैच विजयी प्रदर्शन करते हुए भारत को रविवार को यहां बहुप्रतीक्षित मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह रन से रोमांचक जीत दिलाई। नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की असमान गति वाली पिच पर भारत के 119 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी। बुमराह और हार्दिक पंड्या (24 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने अपनी धारदार गेंदबाजी से भारत को वापसी दिलाई। कुंबले ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' पर कहा, ''हमने 15वें ओवर में देखा कि उन्होंने विकेट (मोहम्मद रिजवान का) लिया और फिर 19वें ओवर में, जब आपको पता था कि अगर उन्होंने उस ओवर में कुछ बाउंड्री खाई होती तो आखिरी ओवर में 10 या 12 रन रह जाते।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बार जब यह 18 या 19 रन पर पहुंच जाता है तो इस तरह की सतह पर पुछल्ले बल्लेबाजों के लिए आकर रन बनाना असंभव हो जाता है। इसलिए अगर भारत यह टूर्नामेंट

अल्कोहल–बेस्ड से माउथवाश करते हैं तो अलर्ट हो जाइए, बढ़ सकता है कैंसर का खतरा– स्टडी

आजकल अल्कोहल–बेस्ड माउथवॉश का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है. मुंह को जर्म्स फ्री रखने और दांतों, मसूड़ों की सफाई और के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल हो रहा है जो बेहद खतरनाक हो सकता है. एक स्टडी में सामने आया है कि अल्कोहल–बेस्ड माउथवॉश से कैंसर का खतरा है.

स्टडी में बताया गया है कि अल्कोहल–बेस्ड माउथवॉश ओरल माइक्रोबायोम यानी मुंह के बैक्टीरिया पर सीधा असर डाल सकते हैं. जिसकी वजह से पीरियडोंटल डिजीज और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है. बता दें कि ओरल माइक्रोबायोम पाचन में मददगार होता है और मुंह को हेल्दी रखने का काम करता है.

क्या कहती है स्टडी

जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित रिसर्च में ऐसे पुरुषों को शामिल किया गया, जो पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाते हैं. यौन बीमारियों से बचने के लिए वे हर दिन माउथवॉश का यूज करते हैं. बेल्जियम के एंटवर्प में

इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन की टीम ने बताया कि अल्कोहल–बेस्ड माउथवॉश के 3 महीने तक नियमित इस्तेमाल से इन पुरुषों के मुंह में बैक्टीरिया फ्यूसो बैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और स्ट्रेप्टोकोकस एंजिनोसस की संख्या बढ़ गई.

बैक्टीरिया बढ़ने से क्या होता है

मुंह में फ्यूसो बैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और स्ट्रेप्टोकोकस एंजिनोसस दोनों बैक्टीरिया की संख्या बढ़ने से मसूड़ों की बीमारी बढ़ सकती है. इससे इसोफेजियल और कोलोरेक्टल कैंसर का रिस्क भी बढ़ता है.

इतना ही नहीं इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए जरूरी एक्टिनो बैक्टीरिया को भी घटते पाया है. मतलब इससे बीपी की समस्या भी बढ़ सकती है. कैंसर और ब्लड प्रेशर दोनों की समस्या जानलेवा हो सकती है.

शरीर के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद है खीरा, जानें चमत्कारी गुण

चिल्लाती गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है. पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है. ऐसे में लोग गर्मी से राहत पाने के लिए ज्यादा से ज्यादा ऐसी चीजों का सेवन कर रहे हैं, जिससे गर्मी से राहत मिल सके. इसमें खीरा भी शामिल है. गर्मी हो या सर्दी खीरा हमेशा लोगों की पहली पसंद बना रहता है. गर्मी से राहत पाने के लिए लोग खीरा को काफी पसंद करते हैं.रोजाना खीरा खाने से डिहाइड्रेशन की समस्या से बचा जा सकता है. खीरा शरीर में पानी की कमी को पूरी करता है. खीरा में इलेक्ट्रोलाइट्स की उचित मात्रा होती है. खीरा में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जिससे खाना पचने में मदद मिलती है. यह पेट संबंधी समस्याओं से दूर रखने में भी मददगार होता है.खीरा ना सिर्फ गर्मी से राहत दिलाने के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि यह स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है.खीरा स्किन को हेल्दी रखने में मददगार होता है. स्किन ग्लोइंग बनाने के लिए खीरा को अपनी डाइट में शामिल करें.

खीरा में पानी की भरपूर

मात्रा स्किन को हाइड्रेट बनाए रखती है. यह ड्राई और डिहाइड्रेटेड स्किन को तरोताजा बनाने में मददगार होता है. खीरा में मौजूद विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट और कैफिक एसिड स्किन पर होने वाले फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करता है. साथ ही रिंकल्स को भी कम करता है.

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज, दिखी भविष्य की खतरनाक दुनिया

प्रभास अपनी फिल्मों की वजह से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं. उनकी एक्टिंग दमदार है और एक्शन से हर बार फैंस को इंप्रेस कर देते हैं. प्रभास का जब से कल्कि 2898 एडी से लुक सामने आया था तब से फैंस इंप्रेस हुए हैं. अब आखिरकार फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. जिसके लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. कल्कि 2898 एडी साल 2024 की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक है. ये 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है.कल्कि 2898 एडी की सबसे बड़ी खासियत इसकी स्टार कास्ट है. फिल्म में साउथ के साथ बॉलीवुड के भी बड़े स्टार नजर आने वाले हैं. इसी वजह से फिल्म को लेकर बहुत चर्चा है. फिल्म में जहां साउथ से प्रभास और कमल हासन नजर आएंगे वहीं बॉलीवुड के स्टार अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण नजर आएंगे.रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म में महाभारत का मॉर्डन वर्जन दिखाया जाएगा.फिल्म की बात करें तो कल्कि 2898 एडी को नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया है. फिल्म को राणा दग्गुबाती ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आएंगी.ट्रेलर से पहले तक दिशा पाटनी का लुक रिवील नहीं किया गया था. अब ट्रेलर के साथ ही दिशा का लुक दिखाया गया है. दिशा का लुक फिल्म में काफी दमदार है.

आमिर खान के बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज का पहला पोस्टर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लाइमलाइट से दूर रहने वाले जुनैद लंबे समय से अपनी पहली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका पहला पोस्टर अब जारी कर दिया गया है। जुनैद की पहली फिल्म महाराज है, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत भी दिखाई देंगे। हाल ही में मेकर्स की ओर से फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया, जिसमें जुनैद बहुत ही अलग लुक में दिखाई दे रहे हैं। जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज इसी साल जून में रिलीज होगी। फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज होगी। लेकिन, इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वो ये कि यशराज फिल्म्स की ये फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी। जी हां, बिलकुल सही सुना आपने,जुनैद खान की पहली फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, जो अपनी फिल्मों वी आर फैमिली और हिचकी के लिए जाने जाते हैं महाराज के साथ अपने ओटीटी डायरेक्टोरियल डेब्यू

करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो आमिर के लड़के जुनैद खान का एक्टिंग डेब्यू है। सिद्धार्थ, जो अपने शानदार स्टोरीटेलिंग और बेहतरीन डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने प्रोजेक्ट के पहले पोस्टर का अनावरण किया। फर्स्ट लुक ने इंटरनेट पर जैसे आग लगा दी है, जिसमें जुनैद खान और जयदीप अहलावत नजर आ रहे हैं। महाराज के साथ फिल्ममेकर ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। इससे पहले, प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, मल्होत्रा ने साझा किया कि फिल्म 1800 के दशक पर आधारित है और दो घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म है जो दिखाती है कि कैसे एक आम आदमी अपने आस–पास के लोगों की मदद करने की हिम्मत जुटाता है, जो सोसाइटी को बड़े स्तर पर मदद करती है। इस प्रोजेक्ट में जुनैद खान के अलावा जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ और शालिनी पांडे महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को विपुल मेहता और स्नेहा देसाई ने लिखा है। पहले पोस्टर के अनावरण ने एक ग्रिपिंग और विजुअली शानदार फिल्म के लिए मंच तैयार कर दिया है, जो डायरेक्टर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा के शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित हुई।

बाक्स आफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही ने पार किया 30 करोड़ रूपये की कमाई का आंकड़ा

शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।कामकाजी दिनों में ठीक–ठाक कमाई करने के बाद अब वीकेंड पर फिल्म में कमाई में इजाफा हुआ है।इसी के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही ने बॉक्स ऑफिस

पर 30 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।आइए जानते हैं फिल्म ने 10वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को मिस्टर एंड मिसेज माही ने 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 30.05 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आ रही हैं। दोनों ने इससे पहले फिल्म रूही में साथ काम किया था।मिस्टर एंड मिसेज माही में कुमुद मिश्रा, राजेश शर्मा और जरीना वहाब जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है। मिस्टर एंड मिसेज माही महेंद्र अग्रवाल (राजकुमार) की कहानी है, जो क्रिकेटर बनने का सपना संजोए है, लेकिन राज्य की टीम से बाहर होने के बाद उसके सपने चकनाचूर हो जाते हैं।उसके पिता (कुमुद मिश्रा) उसे अपनी खानदानी दुकान पर बैठा देते हैं, जहां बैठकर उसे आत्मगिलानी महसूस होती है।महेंद्र के जीवन में फिर से बहार तब आती है, जब महिमा (जाह्नवी) से उसकी शादी होती है। वह दोबारा उसके जीवन में रंग भरने का काम करती है।

कार्तिक आर्यन की चंदू चौंपियन को मिला यू0ए सर्टिफिकेट, 14 जून को रिलीज होगी फिल्म

कार्तिक आर्यन अपनी आने वाली फिल्म चंदू चौंपियन के जरिए एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने को तैयार हैं।यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है।ताजा खबर है कि सेंसर बोर्ड ने चंदू चौंपियन को यूए सर्टिफिकेट देकर हरी झंडी दिखाई है।इसका मतलब इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं। 12 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी।चंदू चौम्पियन में कार्तिक मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाते हुए दिखाई देने वाले हैं, जो कुछ ही दिनों में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ऐसे में अब इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। मेकर्स ने एडवांस बुकिंग की अनाउंसमेंट भी बेहद शानदार तरीके से की है। चंदू चौंपियन 2 घंटे और 23 मिनट लंबी होगी। बुर्ज खलीफा पर एडवांस बुकिंग की घोषणा करने वाली यह फिल्म पहली फिल्म बन गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग 9 जून से शुरू हो गई है।चंदू चौंपियन 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कबीर खान ने संभाली है।साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। सत्यप्रेम की कथा के बाद कार्तिक–साजिद के बीच चंदू चौंपियन दूसरा सहयोग है।

जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा की वापसी की जताई इच्छा

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आने वाली एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है।22 वर्षीय एक्ट्रेस जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी – अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।ब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं।एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं।उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना

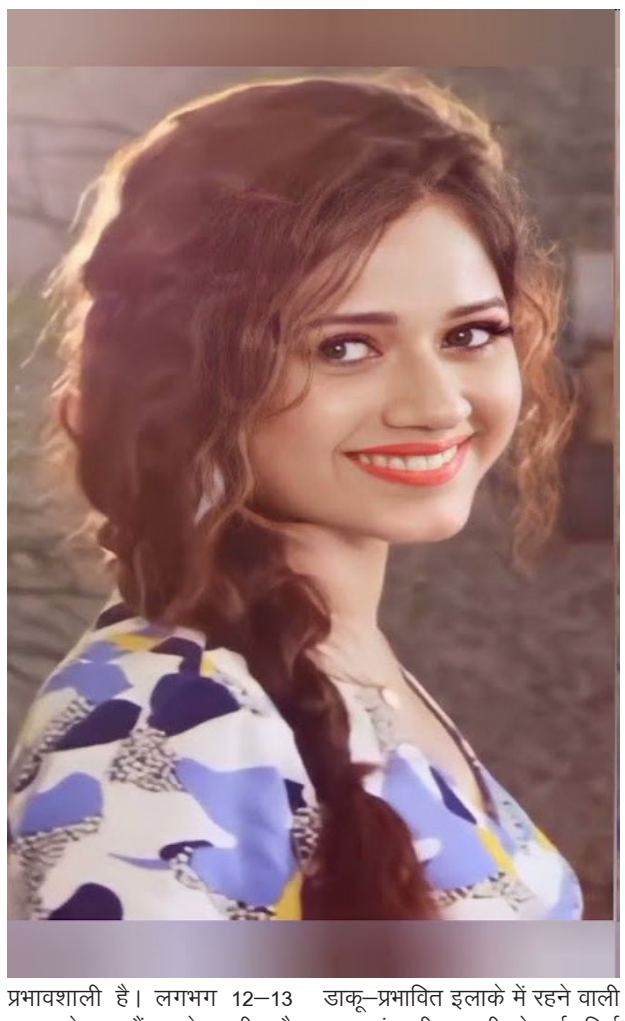

प्रभावशाली है। लगभग 12–13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे।फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू–प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द–गिर्द घूमती है।जन्नत ने भारत का वीर पुत्र – महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट–आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई।

जहीर इकबाल के साथ बेटी सोनाक्षी की शादी की अफवाहों पर शत्रुघ्न सिन्हा बोले–

बॉलीवुड दबंग स्टार सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के बीच 2020 से डेटिंग की अफवाह है। अब खबर आ रही है शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी जल्द ही जहीर इकबाल से शादी करने

जा रही है। इस पर उनके पिता ने बताया, ऐसा कुछ उसने बताया नहीं है। बॉलीवुड इंडस्ट्री की दबंग एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। दअसल, बताया जा रहा है कि इस महीने के अंत में सोनाक्षी सिन्हा अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल को श्आई डूश कहने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शादी की अफवाहों के बीच, अभिनेत्री के पिता और अभिनेता–राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने इस बारे में खुलकर बात की। जूम के साथ एक इंटरव्यू में, उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें अभी तक उनकी शादी के प्लान के बारे में पता नहीं है और जब वे उन्हें बताएंगे तो जोड़े को आशीर्वाद देंगे। उन्होंने कहा, ष्मैं अभी दिल्ली में हूं। चुनाव नतीजे आने के बाद मैं यहां आ गया। मैंने अपनी बेटी की प्लान के बारे में किसी से बात नहीं की है। तो आपका सवाल है कि क्या वह शादी कर रही है? इसका जवाब यह है कि उसने शादी कर ली है।ष उसने मुझे इसके बारे में कुछ नहीं बताया।शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे कहा, ष्मैं भी उतना ही जानता हूं जितना मैं मीडिया ने पढ़ा है। मुझे इस बारे में उतना ही पता है जितना मीडिया ने मुझे बताया है। अगर और जब वह मुझे विश्वास में लेगी, मैं और मेरी पत्नी इस जोड़े को देंगे मेरा आशीर्वाद। हम उसकी हमेशा खुशी की कामना करते हैं। हमें उसके फैसले पर पूरा भरोसा है। एक सहमति देने वाली वयस्क के रूप में वह कभी भी कोई गैर–संवैधानिक या अवैध निर्णय नहीं लेगी। शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे कहा– मैं कहना चाहूंगा कि जब भी मेरी बेटी की शादी होगी, मैं बारात के ठीक सामने नाचना चाहूंगा। मेरे करीबी लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मुझे इस बारे में जानकारी क्यों नहीं है और मीडिया में हैं, मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि आज कल बच्चे की सहमति नहीं लेते, सिर्फ सूचित करते हैं।23 जून हो सकती है जोड़े की शादी बता दें कि, शादी की अफवाहें तब शुरू हुईं जब इंडिया टुडे ने खबर दी कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 23 जून को शादी करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, करीबी दोस्तों, परिवार के सदस्यों और हीरामंडी के कलाकारों को निमंत्रण मिला है। शादी का निमंत्रण एक पत्रिका कवर जैसा दिखता है जिस पर लिखा है अफवाहें सच हैं।

रेड थाई स्लिट ड्रेस में समुद्र किनारे अवनीत कौर ने दिखाईं कातिल अदाएं

एक्ट्रेस अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने कान्स 2024 का तीसरा लुक फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस

अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं, साथ ही उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली अवनीत कौर ने बेहद ही कम उम्र में इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। उनका हर अंदाज सोशल मीडिया पर शेयर होते ही इंटरनेट पर तबाही मचा देता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने कान्स फिल्म फेस्टिवेल इवेंट की कुछ थ्रोबैक तस्वीरें शेयर की हैं।इन तस्वीरों में अवनीत कौर का स्टनिंग अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। साथ ही उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने इस फोटोशूट के दौरान रेड कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड ग्लैमरस हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर समुंद्र के किनारे खड़े होकर एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं।

अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें मिलियन लोग फॉलो करते हैं। बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

बाक्स आफिस पर मुंज्या की दैनिक कमाई में बढ़ोतरी, 20 करोड़ से रह गई इंचभर दूर

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या को बीते शुक्रवार यानी 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।हॉरर और कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है।फिल्म की कहानी और तमाम सितारों की अदाकारी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।अब मुंज्या के तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 7.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 19 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या ने 4 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ और यह शनिवार को टिकट खिड़की पर 7.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। मुंज्या में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। वरुण धवन ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी की तड़का लगया है। उन्होंने फिल्म में मेहमान की भूमिका निभाई है। स्त्री और भेड़िया जैसी हॉरर कॉमेडी फिल्मों के निर्माता दिनेश विजान और अमर कौशिक की नई पेशकश मुंज्या सुपरनेचुरल हॉरर–कॉमेडी है। फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म हंसाने के साथ खूब डराती भी है, वहीं इसके विजुअल अफेक्ट्स भी शानदार हैं।

उर्वशी ढोलकिया ं फिर से कोई खलनायिका की भूमिका नहीं निभाएंगी,

अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया छोटे पर्दे पर अपने सफर से काफी खुश और संतुष्ट हैं, लेकिन उन्हें इस बात का दुख है कि शो के निर्माता उनकी वैम्प की छवि से आगे नहीं देख पा रहे हैं, जिसका श्रेय कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका के उनके किरदार को जाता है जिसने उन्हें घर–घर में मशहूर कर दिया। अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया छोटे पर्दे पर अपने सफर से काफी खुश और संतुष्ट हैं, लेकिन उन्हें इस बात का दुख है कि शो के निर्माता उनकी वैम्प की छवि से आगे नहीं देख पा रहे हैं, जिसका श्रेय कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका के उनके किरदार को जाता है जिसने उन्हें घर–घर में मशहूर कर दिया और 15 साल बाद भी यह किरदार उनके साथ बना हुआ है।उर्वशी ढोलकिया ने कहा कि "हर कोई अभी भी मुझे कोमोलिका कहता है। सिर्फ इसलिए कि एक चीज इतनी शक्तिशाली हो गई है। यह सोचना गलत है कि मैं कुछ और नहीं कर सकती। निर्माता और क्रिएटिव डायरेक्टर्स की रचनात्मकता कहाँ है जब वे मुझे उस एक भूमिका से आगे नहीं सोच सकते?" उन्होंने सवाल उठाया, साथ ही कहा कि इस स्टीरियोटाइपिंग के कारण, पिछले कई सालों में उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके बारे में शायद ही बात की जाती है। हाल के वर्षों में, ढोलकिया ने चंद्रकांता, इश्क में मरजावां, तू आशिकी, नागिन 6 जैसे शो में अभिनय किया है, हालांकि, प्रशंसक अभी भी शिकायत करते हैं कि उन्हें स्क्रीन पर उन्हें बहुत कम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि "मैं आती–जाती रहती हूं क्योंकि कुछ ऐसा मेरे रास्ते में आता है जो वास्तव में मुझे मिलने वाली चीजों से अधिक रोमांचक होता है। मैं बार–बार एक ही नीरस काम नहीं कर सकती। मुझे बहुत टाइपकास्ट किया गया है। यह ऐसा है जैसे कह रहे हों कि रेखा ने उमराव जान किया तो बस यही है, यही हर चीज का चरम है। नहीं, यह यहीं नहीं रुकता। दरअसल, ढोलकिया ने खुलासा किया कि कसौटी जिंदगी की के तुरंत बाद, उन्होंने दर्शकों के दिमाग में कोमोलिका की छवि से अलग होने के लिए जानबूझकर कॉमेडी सर्कस करने का फैसला किया।

जब ईशा देओल ने अमृता राव को खींच कर मार दिया था थप्पड़, सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच भी चले थे लात–घूंसे

ईशा देओल ने अमृता राव को थप्पड़ मारा, सोहेल खान और सिकंदर खेर ने एक दूसरे को मुक्का मारा– सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच एक बार बहुत बड़ी लड़ाई हुई थी और अश्मित पटेल ने उनके बीच की स्थिति को सुधारने की कोशिश की थी, बॉलीवुड में हुए सबसे घिनौने झगड़े पर एक नजर डालें।ईशा देओल ने अमृता राव को थप्पड़ मारा, सोहेल खान और सिकंदर खेर ने एक दूसरे को मुक्का मारा– सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच एक बार बहुत बड़ी लड़ाई हुई थी और अश्मित पटेल ने उनके बीच की स्थिति को सुधारने की कोशिश की थी, बॉलीवुड में हुए सबसे घिनौने झगड़े पर एक नजर डालें। हाल ही में अश्मित पटेल ने चौंकाने वाला दावा किया कि सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच लड़ाई हुई थी जिसमें उन्होंने एक दूसरे को मुक्का मारा था। सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच लड़ाई हुई थी और मैं उस लड़ाई में शामिल भी नहीं था। मैं उन्हें छुड़ाने की कोशिश कर रहा था।सलमान खान और शाहरुख खान शाहरुख खान और सलमान खान आज भाई जैसे हैं लेकिन एक समय खान युद्ध ने सुर्खियाँ बटोरी थीं। खानों ने अपनी कुख्यात लड़ाई में एक दूसरे के साथ हाथापाई भी की थी।शा देओल और अमृता रावईशा देओल ने कथित तौर पर अपनी फिल्म प्यारे मोहन के सेट पर अमृता अरोड़ा को उनके परिवार के बारे में एक भद्दी टिप्पणी करने के लिए थप्पड़ मारा था। आज तक, ईशा और अमृता के बीच बातचीत नहीं हुई है।विवेक ओबेरॉय और सलमान खान विवेक ओबेरॉय ने 2000 के दशक की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहाँ उन्होंने ऐश्वर्या राय के साथ रिश्ते में होने के कारण सलमान खान से अपमानजनक और धमकी भरे कॉल आने का दावा किया। हाल ही में विवेक के पिता सुरेश ओबेरॉय ने सलमान खान के खिलाफ मजबूत बने रहने के लिए उनकी सराहना की। कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ ने किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर अपनी लड़ाई को लेकर सबका ध्यान खींचा। हाल ही में नए सांसद को इसी कारण CISF अधिकारी ने थप्पड़ मारा था। फराह खान और शाहरुखध खान फराह खान और शाहरुख ने एक–दूसरे से बात करना बंद कर दिया था, ।

सांसद ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। मंगलवार को देवरिया के नवनिर्वाचित सांसद शशांक मणि ने अपने गांव बरपार में जनता दरबार लगाकर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को समस्या के निस्तारण के लिए निर्देश भी दिया । अपने गांव बरपार में सुबह 7 बजे से ही श्री मणि लोगों से मिलने के लिए अपने बरामदे की फर्श पर बिछी दरी पर बैठकर देसी अंदाज में चौपाल लगाकर लोगों से बात की तथा क्षेत्र की समस्याओं पर लोगों से सुझाव भी मांगे । उन्होंने कहा कि जनता और जनप्रतिनिधि एक दूसरे के साथ क्षेत्र के विकास के लिए आपस में समन्वय बनाकर जब काम करेंगे तभी सबके प्रयास से सबका विकास का मंत्र सार्थक

होगा । हम सभी लोग मिल जुलकर देवरिया संसदीय क्षेत्र को आगे ले जायेंगे । सांसद बनने के बाद पहली बार देवरिया आने पर शशांक मणि अपने गांव बरपार में क्षेत्र की जनता से रूबरू हुए, उनका आभार व्यक्त किया और जनता की समस्याओं को लेकर काफी सक्रिय दिखे । मौके पर ही उन्होंने कई विभागों के अधिकारियों से फोन पर बात कर जनता की समस्याओं को निस्तारित करने के लिए कहा । जनता की समस्याओं को निपटाकर 9 बजे कार्यकर्ताओं के साथ संसदीय क्षेत्र में आने वाली फाजिलनगर और तमकुही विधानसभा के विभिन्न गांवों में भ्रमण के लिए निकल पड़े । इस अवसर पर बरियारपुर से आए पूर्व सभासद कृष्णानंद गिरी, राजू पासवान, कन्हैया गोंड, धीरज सिंह, विपुल तिवारी, सीमा देवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे ।

95 किलो गाजा बरामद, बैगनार कार से की जा रही थी तस्करी

सोनभद्र(आरएनएस)। यूपी एसटीएफ व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि जनपद में बड़े पैमाने पर गांजा की खेप लाया जा और यहां से अन्य जनपदों में बिक्री के लिए तस्कर ले जा रहे और मुखबिर की सूचना पर अन्तर्जनपदीय तीन गांजा तस्करो को दो वैगनार कार और 95 किलो 210 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने इस कार व गांजा की कुल अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये बताया है।

अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने बताया कि यह अन्तर जनपदीय गांजा तस्कर जनपद के रामगढ़ से खरीद कर दो बैगनआर कार से 95 किलो गांजा नोएडा ले जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक डॉ० यशवीर सिंह द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए गए अभियान में ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान के तहत सोमवार को मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए यूपी एसटीएफ व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हिन्दुआरी तिराहे से करमा को जाने वाली सड़क पर शिवशक्ति ढाबा के पास से दो वैगनआर कार नम्बर भ्त्55 ।ड9423 व भ्त्55 ।फ8945 के डिग्गी में प्लास्टिक की बोरियों में कुल 95.210 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। इस बरामद कार व गांजा का कुल अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये के साथ 03 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

इस गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर धारा 8ध्20ध्25ध्29ध्60 छक्वै ।बज का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा है। वही एसटीएफ की पूछताछ में विपिन व अमित ने बताया कि हम लोग अपनी–अपनी गाड़ी के चालक हैं हम दोनों लोगों को दौलत राज नोएडा से लेकर आये है और रामगढ़ सोनभद्र में किसी के यहां से दोनों गाड़ियों में गांजा भरवाया था, जिसे लेकर हम लोग नोएडा जा रहे थे तथा दौलत राज से पूछताछ 5रू02 ड करने पर बताया कि मैं कुछ माह से बिजेन्द्र नामक व्यक्ति के सम्पर्क में था, उसे ऑनलाइन रुपया ट्रांसफर करके नोएडा से 02–02 करके लड़कों को बस से रामगढ़ सोनभद्र भेजता था। जनपद मीरजापुर पुलिस द्वारा गत 6 जून 2024 को मेरे इस कारोबार के 02 लड़कों को गांजा के साथ पकड़ लिया गया था। उसके बाद मैं इन दोनों लड़कों विपिन व अमित के इन वैगनार गाड़ी के माध्यम से अधिक मुनाफा कमाने के लालच में रामगढ़, सोनभद्र से विजेन्द्र नाम के व्यक्ति से गांजा लेकर नोएडा जा रहा था आप लोगों द्वारा पकड़ लिया गया।।

पुलिस ने दौलतराज पुत्र रामबिलास चौधरी निवासी गली नं0– 04 ममूरा सेक्टर 66 थाना फेज–3 गौतमबुद्ध नगर जनपद गौतम बुद्ध नगर उम्र लगभग 29 वर्ष, विपिन चौधरी पुत्र रामदेव चौधरी मिलकलच्छी ग्रेटर नोएडा बिसरख, जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 26 वर्ष और अमित कुमार पुत्र मूलचन्द निवासी पतवाड़ी थाना बिसरख जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 28 वर्ष को गिरफ्तार किया। इन तस्करो को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र राय, उप निरीक्षक एसटीएफ वीरेन्द्र सिंह यादव प्रभात कुमार, नीरज कुमार, अंकुर मिश्रा, रविकांत गौतम, विनय कुमार और रमेश गोंड शामिल रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में जंगल में मिला वृद्ध का शव,जांच में जुटी पुलिस

विगत दस दिन पूर्व इसी जंगल मे मिला था मानव कंकाल जिसकी अब तक नही हो सकी शिनाख्त

बीजपुरसोनभद्र(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सिरसोती के टोला कोड़ार के जंगल मे सोमवार की शाम एक वृद्ध ब्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गयी।शव को पहले चरवाहों ने देखा फिर इसकी जानकारी पुलिस तक पहुँची पुलिस ने रात होने तक शव को अपने कब्जे में लेकर एनटीपीसी रिहंद चिकित्सालय के मोर्चरी में रखवा कर शिनाख्त में जुट गयी। मंगलवार की सुबह सूचना पर पहुँचे मृतक के पुत्र बाबूराम ने अपने पिता जीवधन यादव पुत्र स्वर्गीय महाबीर यादव उम्र 82 वर्ष निवासी ग्राम इंजानी टोला कोलिनमाड के रूप में पहचान की। बाबूराम की तहरीर पर पुलिस ने केश दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी। बाबूराम सहित परिजनों ने बताया कि जीवधन गुरुवार को बेटी के घर जाने की बात कह कर निकले थे लेकिन सम्भवतः रास्ता भटक गए और कोडार के जंगल मे चले गए। परिजनों के अनुसार जीवधन मानसिक रूप से कुछ कमजोर थे और कम बोलते थे लोगों ने उम्मीद जताया कि दिन में धूप की वजह से लू लगने के कारण मौत हुई होगी। पुलिस ने शिनाख्त के बाद शव का पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए दुद्धि सीएचसी भेज दिया है। गौरतलब हो कि कोडार जंगल मे पिछले दस दिन के अंदर यह दूसरी लाश मिली है इसके पूर्व एक मानव कंकाल भी इसी जंगल मे मिला था जिसकी शिनाख्त आज तक नही हो पाई है तब तक इसी जंगल मे दूसरी लाश मिल गयी हालांकि इसकी शिनाख्त हो गयी है। उपनिरीक्षक श्रवण कुमार यादव ने बताया कि सम्भवतः हिट बेव के कारण वृद्ध की मौत हुई होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का सही पता चल पाएगा।

बकरीद त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

अराजकता फैलाने वालों की जगह जेल में होगी-एसओ हेमन्त कुमार सिंह

म्योरपुरध्सोनभद्र(आरएनएस)। स्थानीय थाना परिसर में मंगलवार को बकरीद को लेकर पीस कमेटी की बैठक थानाध्यक्ष हेमन्त कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ बैठक में थाना क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों के ग्राम प्रधान व हिन्दू मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे मस्जिद के सदर अयूब अली ने बताया कि बकरीद का नमाज ईदगाह में पढ़ाया जाएगा जहां सभी भाई बन्धु एक साथ अकीदत के साथ नमाज को अदा करेंगे। इस दौरान थाना प्रभारी द्वारा और गांव जैसे किरवानी, किरबिल, काचन में नमाज अदा करने के बारे में पूछा गया एवं बकरे की बलि की जानकारी ली गयी सभी के बातों को सुनने के बाद प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि त्योहार सादगी के

साथ मनाए त्योहार के दिन अराजकता फैलाने वालो की जगह जेल में होगी उन्होंने हिन्दू समुदाय के लोगो से बात किया हिन्दू भाइयो ने कहा इस गांव में हम हिन्दू मुस्लिम गंगा जमुनी तहजीब पर एक दूसरे के साथ त्योहार मनाते है कोई दिक्कत नही हुई है न आगे होगी इस दौरान समाज सेवी राम देव तिवारी, साबिर हुसैन, नजीर हुसैन, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गणेश कुमार जायसवाल सुरेंद्र चन्द्रवंशी, राम नरेश जायसवाल, राम नरायन, जगनारायण कनौजिया, राज नरायन, लक्षमण, सन्त कुमार, प्रमोद अग्रहरि, छोटन मिस्त्री, वरिष्ठ पत्रकार अशोक दुबे, जगतनराण विश्वकर्मा, रविशंकर प्रसाद, विकास सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रेमिका शादी पर अड़ी, प्रेमी घर से फरार

जौनपुर (आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को मुंबई से एक महिला अपने प्रेमी के घर पहुंच गयी।प्रेमी के घर पहुंच कर उसने बवाल मचाया।प्रेमिका को देख कर प्रेमी घर छोड़ कर फरहर हो गया ऊक्त गांव निवासी 26 वर्षीय युवक अपने माँ बाप व भाई बहनों के साथ मुंबई में रहता है।वहा उसका दो वर्षों से एक मडियाहू के रहने वाली स्वजातीय लड़की से प्रेम सम्बन्ध हो गया।पहले तो दोनो परिवार के लोग शादी करवाने की सहमति बना लिए थे। लेकिन दो महीने से युवक का परिवार गांव आ गया।युवती को शंका हुई कि शायद युवक की अन्यत्र शादी की बातचीत चल रही है।यह जानकारी होने पर युवती सोमवार को मडियाहू अपने घर आ गयी।वहां से मंगलवार की सुबह अपने भाई के साथ प्रेमी के घर आकर जमकर बवाल किया।काफी देर तक चले बवाल के बाद प्रेमी के परिजन तथा अगल बगल के लोगों के द्वारा युवक से ही शादी काआश्वासन दिया उसके बाद युवती शांत हुई।वह प्रेमी के आने के इंतजार में बैठी है।उधर प्रेमी भागा हुआ है

पड़ोसियों ने दम्पत्ति को पीटकर किया घायल

जौनपुर। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के पकड़ी जमीन ग्राम में पडोसियों ने आपसी रंजिष को लेकर पुत्र को मारपीट कर घायल कर दिया। बताते है कि उक्त गांव निवासी 50 वर्षीया गुलाबचंद यादव व उसकी उषा देवी 45 वर्षीया पत्नी चंद्रसेन यादव का सुबह मंगलवार का दो पड़ोसियों में झगड़ा हो रहा था । पिता पुत्र और माता झगड़ा को बचाने के लिए गए तो पडोसियों ने लाठी डंडे से इन तीन लोगों पर हमला कर दीया । पड़ोस के एक व्यक्ति ने अपनी निजी वाहंन से जिला चिकित्सालय जौनपुर लाया जहां तीन लोगों का उपचार चल रहा है।

किसानो को लाभ, कृषि स्नातको को रोजगार

जौनपुर(आरएनएस)। कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में उ0प्र0 सरकार द्वारा किसानो एवं कृषि स्नातको की उन्नति के लिये वन स्टाप शॉप योजना के अर्न्तगत प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर खुलने वाले इस केन्द्र पर जहॉ एक छत के नीचे किसानो को मृदा परीक्षण के आधार पर खाद बीज दवा मिलेगी वही किराये पर लघु कृषि यंत्र भी मुहैया करायी जायेगी। इस केन्द्र के माध्यम से सरकार किसानों को जहॉ लाभ दिलाना चाहती है वही कृषि स्नातको की तरक्की के विषय में भी सोच रही है। कृषि विभाग द्वारा प्रयोग किये जाने वाले वन स्टाप शाप में किसानों को मृदा परीक्षण की सुविधा मुहैया कराई जायेगी तथा उर्वरको के प्रयोग की संस्तुति की जायेगी। उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक, माइक्रोन्युट्रिएन्ट, वर्मी कम्पोस्ट, कीटनाशक रसायन तथा जैव कीटनाशक सहित समस्त कृषि निवेशो की आपूर्ति होगी। लघु कृषि यंत्रो को यहॉ किराये पर भी उपलब्ध कराया जायेगा, प्रसार सेवाओ में, तथा कृषि प्रक्षेत्र निर्देशन का भी कार्य होगा। वन स्टाप शॉप का मालिकाना हक कृषि स्नातको को ही मिलेगा। सरकार ने स्नातको के लिये कई सुविधा देने का भी ऐलान किया है। जनपद में वित्तीय वर्ष 2024–25 में कुल 58 वन स्टाप शाप (एग्रीजक्शन) केन्द्रो की स्थापना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वन स्टाप शॉप के लिये आवेदन करने वाले अभ्यर्थियो की अर्हता में अभ्यर्थी जौनपुर जिले का निवासी हो तथा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि स्नातकध्कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातकध् स्नातक जो कृषि एवं सहबद्व विषयो यथा–उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियॉ, जो किसी राज्यध्केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यिलय से डिग्रीधारी हो, जो आई0सी0ए0आर0ध्यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो, पात्र होगे। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारीध्कृषि विषय में इण्टरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर भी विचार किया जायेगा, तथा अभ्यर्थी की आयु 40 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओ को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है, तथा जिनकी जन्म तिथि पहले होगी उनको वरीयता दी जायेगी। योजना की लागत रू– वन स्टाप शॉप के लिये अभ्यर्थी को रू0 100000 मात्र स्वयं खर्च करने होगे तथा रू0 500000.00 मात्र बैंक से ऋण मिलेगा। इस प्रकार कुल योजना की लागत रू0 600000.00 मात्र होगी। वन स्टाप शॉप हासिल करने वाले कृषि स्नातको को सरकार की ओर से खाद, बीज एवं कृषि रसायनों की बिक्री का लाइसेन्स की प्रतिपूर्ति अधिकतम रू0 5250.00 दिया जायेगा साथ ही बैंको से प्राप्त होने वाले रू0 500000 पर ब्याज पर अनुदान रू0 60000.00 तीन वर्षो के प्रस्तावित कार्य हेतु दिया जायेगा। वन स्टाप शॉप परिसर का किराया पर 50 प्रतिशत प्रतिमाह अधिकतम रू0 1000 प्रतिमाह की दर से 12 महीने का रू0 12000.00 अनुदान देय होगा। कृषि विभाग द्वारा चयनित कृषि स्नातको को व्यवसाय के निमित्त समेती रहमानखेड़ा, लखनऊध्आर0से0टी0 के द्वारा कम से कम 13 दिन का प्रशिक्षण कराया जायेगा। लाभार्थियो का चयन जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कमेटी के द्वारा किया जायेगा। आवेदन–पत्र कार्यालय उप कृषि निदेशक कृषि भवन, जौनपुर में 15 जुलाई 2024 तक किसी भी कार्य दिवस में जमा किया जा सकता है।

स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण दो का वेतन रोका

जौनपुर (आरएनएस)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुफ्तीगंज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक डेंटल हाइजीनिस्ट एवं एक स्वीपर अनुपस्थित पाया गया, जिस पर संबंधित का वेतन बाधित करते हुए स्पष्टीकरण लेने हेतु अधीक्षक को निर्देश दिया गया। अस्पताल परिसर में साफ–सफाई की कमी थी एवं गंदगी व्याप्त थी, जिसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अत्यंत नाराजगी व्यक्त किया तथा तत्काल साफ–सफाई कराए जाने का निर्देश दिया। चिकित्सालय में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता थी तथा चिकित्सकों द्वारा लोगों को आवश्यक दवाई दी जा रही थी। ओपीडी में आए रोगियों की जांच कम हो रही थी जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रोगियों की यथावशक जांच करने का निर्देश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मुफ्तीगंज के साथ–साथ जनपद के समस्त चिकित्सालयों को निर्देश दिया कि पूर्व में अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वाराणसी मंडल वाराणसी द्वारा दिए गए 20 बिंदुओं के दिशा–निर्देश का शत–प्रतिशत अनुपालन कराएं। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक चिकित्सालय के मुख्य गेट पर चिकित्सालय का नाम एवं चिकित्सालय के अंदर सभी डिपार्टमेंट के साइन डिस्प्ले होने चाहिए। पार्किंग, साफ–सफाई, रंगाई पुताई, टॉयलेट की सफाई निरंतर होनी चाहिए तथा पर्याप्त मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर भी उपलब्ध होना चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निर्देशित किया कि ओपीडी में दिखाने आए मरीज में महिला एवं पुरुषों के लिए अलग–अलग लाइन लगवाए तथा मरीजों के बैठने की उचित एवं पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। पीने के पानी की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्वास्थ्य कर्मी निर्धारित ड्रेस के अनुसार उपलब्ध रहेंगे। बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण आवश्य कराएं और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की अनुमति लें। चिकित्सालय में सभी उपकरणों, दवाओं एवं पीपीई किट की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए।

कुनबे ने गाली–गलौच का विरोध करने पर दम्पति को पीटा, शिकायत

चायल, कौशाम्बी। पिपरी कोतवाली क्षेत्र के अजमतगंज कस्बा चायल में मंगलवार की दोपहर पड़ोसी कुनबे ने गाली–गलौच का विरोध करने पर दम्पति को जमकर पीट दिया।पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव कर झगड़ा शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर मामले की तहरीर दी।तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है

कस्बा चायल के अजमतगंज मोहल्ला निवासी नरेश कुमार पुत्र राम औतार मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है।उसने बताया कि मंगलवार की दोपहर उसकी पत्नी सोनिया नल से पानी भरकर घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में बैठा पड़ोसी उसके साथ अनायास गाली–गलौच करने लगा। जानकारी मिलने के बाद मौके पर जाकर नरेश ने गाली का उलाहना दिया।इससे नाराज होकर पड़ोसी ने कुनबे के साथ मिलकर उसको लाठी–डंडे से पीटना शुरू कर दिया। बीच–बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी सोनिया को भी पीट दिया। पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं।शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया।घायलों ने थाने जाकर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

किसानों को मोटा अनाज के उत्पादन से फायदे की दी जानकारी

नेवादा, कौशांबी। स्थानीय विकास खंड के जवई गांव में चल रही किसान पाठशाला के दूसरे दिन मंगलवार को किसानों को श्रीअन्न योजना (मोटे अनाज) के फायदे और कृषि यंत्रो की खरीद पर अनुदान की जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर कृषि तकनीकी सहायक हरिओम गौतम ने पाठशाला में उपस्थित किसानों को मिलेटस ज्वार, बाजरा, रागी, सांवां, कोदों, कुटकी, रामदाना, कुट्टू आदि मोटे अनाजों के पोषक तत्व– कैरोटीन, नियासिन, विटामिन वी–6, फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जस्ता जैसे खनिज लवण काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इनमें विटामिन बी –3 होता है। जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित रखता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे सभी अंगों में आक्सीजन पहुंचता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से पाचन में सहायता मिलती है। डाइबटीज मरीजों में ग्लूकोज लेवल वैलेंस रहता है। ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखता है। हार्ट अटैक, सर्दी जुकाम से बचाव करता है। टाक्सिन को शरीर से बाहर निकलने में मदद करता है। किसानों को पराली प्रबंधन में सीटू योजना व फार्म मशीनरी योजना में 80 प्रतिशत अनुदान पर टैक्टर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, हैरो, मल्टीक्राप थैसर, पेडीटांसप्लांटर यंत्र खरीद पर कृषि विभाग आठ लाख रुपये अनुदान मिलता है। वहीं किसानों के आपदा प्रबंधन जैसे सर्प दंश, आकाशीय बिजली, आंधी–तूफान चक्रवात से बचाव की जानकारी दी गई। इस मौके पर लालमणि दुबे, ज्ञानेंद्र सिंह, राजकुमार, अमित कुमार, रामप्रताप, शिवलाल यादव, फूलचंद, महेंद्र कुमार, रामप्रकाश समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

सराय अकिल में अतिक्रमण करने वालों का बोलबाला, नगर प्रशासन मौन

सराय अकिल, कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल कस्बा में अतिक्रमण करने वालों का बोलबाला नगर प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही सड़कों पर दुकान लगाकर आवागमन बाधित करते हैं सब्जी मंडी चंद्रशेखर पार्क के पास लोगों ने अतिक्रमण कर सड़कों पर दुकान लगा लिए हैं जिससे रोजाना घंटों जाम में राहगीर फंसे रहते हैं चंद कदमों की दूरी पर नगर पंचायत कार्यालय व थाना परिषर है लेकिन सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही इसी तरह चावल मंडी में दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर लिया जिससे राहगीरों से रोजाना वाद विवाद मारपीट होती रहती है चावल मंडी में दुकानदारों का बोलबाला ,आम जनता को हो रही है दिक्कत दो दोपहिया वाहन को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करन पड़ रहा है नगर प्रशासन आंखों में पट्टी बांधे हुए हैं जिससे अतिक्रमण करने वालों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

बता दे, जिले के सबसे पुरानी नगर पंचायत सराय अकिल कस्बा है जो कई गांव के लोग बाजार करने जाते हैं दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर रखा है लेकिन नगर पंचायत की तरफ से कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही जिसस दुकानदारों का मनोबल बढ़ा हुआ है सब्जी मंडी व चावल मंडी भगवतीगंज में दुकानदारों ने सड़कों पर दुकान सजा ली है जिससे राहगीर को परेशानियां का सामना करना पड़ता है सब्जी मंडी मार्ग से रोजाना नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी अखिलेश सिंह का आवागमन होता रहता है लेकिन सब्जी मंडी व चावल मंडी के दुकानदारों के ऊपर नगर प्रशासन मेहरबान है यही यही कारण है कि अतिक्रमण करने वालों का किसी का भी भय नहीं है जिससे रोजाना अच्छी खासी जाम बनी रहती है लोगों को पैदल चलना भी दुश्वार हो गया राहगीर व दुकानदारों से आए दिन मारपीट होती रहती है जिला अधिकारी से सब्जी मंडी व चावल मंडी से अतिक्रमण हटाने की लोग मांग कर रहे हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।